कार्तिक शुक्ल - 15 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 122 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 27-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 केंद्र की मौजूदा सरकार इतिहास को पूरी तरह बदलने पर तुली है : तेजस्वी

6 डीपफेक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित एक बड़ा खतरा

7 कांग्रेस के शासनकाल में भारत में आतंकी हमले होते थे : आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

सिएरा लियोन में सैन्य बैरकों पर हमले के बाद राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू

फ्रीटाउन (सिएरा लियोन)/एपी। सिएरा लियोन के राष्ट्रपति जूलियस मैडा बायो ने पश्चिम अफ्रीकी देश की राजधानी में बंदूकधारियों द्वारा सैन्य बैरकों पर हमला किए जाने के बाद रविवार को देशव्यापी कर्फ्यू की घोषणा की। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर अपने पोस्ट में कहा कि अज्ञात बंदूकधारियों ने राजधानी फ्रीटाउन में बैरकों के भीतर एक सैन्य शस्त्रागार पर सुबह हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने बंदूकधारियों को खदेड़ दिया और 'शांति व्यवस्था कायम कर दी गई है।'' राष्ट्रपति ने कहा, '', देशव्यापी कर्फ्यू घोषित कर दिया गया है और नागरिकों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी जाती है...।''

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक को लेकर पंजाब के छह और पुलिसकर्मी निलंबित

चंडीगढ़/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनवरी 2022 में पंजाब की यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा में चूक के मामले में छह और पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के साथ ही इन छह पुलिसकर्मियों पर यह कार्रवाई की गई है। राज्य के गृह विभाग के 22 नवंबर के आदेश के अनुसार, दो पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों-परसोन सिंह और जगदीश कुमार, निरीक्षक जतिंदर सिंह और बलविंदर सिंह, उपनिरीक्षक जसवंत सिंह और सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। वर्तमान में बठिंडा जिले में पदस्थ पुलिस अधीक्षक गुरबिंदर सिंह को शनिवार को निलंबित किया गया था।

चीन में निमोनिया का प्रकोपः केंद्र ने राज्यों से स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि के संकेत संबंधी हाल की रिपोर्टों के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को तुरंत सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि उसने अत्यधिक सतर्कता बरतते हुए श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए प्रारंभिक उपायों की सक्रिय रूप से समीक्षा करने का निर्णय लिया है। इसमें कहा गया है, ''मौजूदा इन्फ्लूएंजा और सर्दी के मौसम के मद्देनजर इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसके कारण श्वसन संबंधी बीमारी के मामलों में वृद्धि हो रही है। भारत सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और संकेत दिया है कि किसी भी तरह की चेतावनी की जरूरत नहीं है।''

26-11-2023 सूर्यास्त 5:39 बजे	27-11-2023 सूर्योदय 6:13 बजे
BSE 65,970.04 (-47.77)	NSE 19,802.00 (-9.85)
सोना 6,297 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 77,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आफतकाल का जाल

यह चुनाव का वर्ष बन रहा,
सभी दलों का आफतकाल।
है विपक्ष आपातकाल में,
कोस रहे हो कर बेहाल।
येनकेन कैसे भी हो बस,
गल जाए मतलब की दाल।
फँस जाए वोटर मछली सा,
फेंक रहे बातों के जाल।।

भारत आज पूरे हौसले के साथ 'आतंकवाद को कुचल' रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

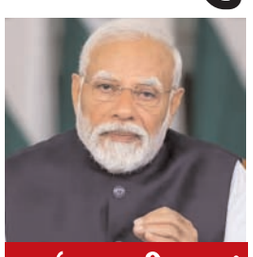

■ 'मन की बात'

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मुंबई में 26 नवंबर को हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर कहा कि भारत ने आज के दिन सबसे जघन्य हमले का सामना किया था लेकिन यह देश की क्षमता थी कि वह उस हमले से उबर गया और पूरे हौसले के साथ ''आतंकवाद को कुचल'' रहा है।

आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश वीर शहीदों को याद कर रहा है। उन्होंने कहा, ''26 नवंबर के दिन को हम कभी भी भूल नहीं सकते हैं। आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने मुंबई को, पूरे देश को थर्राकर रख दिया था। लेकिन यह भारत का सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उबरे और पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं।''

आज ही के दिन साल 2008 में पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से आए थे और मुंबई में उनके हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 166 लोग मारे गए थे तथा अनेक लोग घायल हुए थे। इन आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान 60 घंटे तक चला था।

प्रधानमंत्री ने 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने को याद करते हुए देशवासियों को 'संविधान दिवस' की बधाई दी।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में 'इंडिया' गठबंधन का सफाया हो जायेगा

हैदराबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का सफाया हो जाएगा। इन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गये हैं। तेलंगाना के तूपरान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने इन तीन राज्यों में अपने चुनाव प्रचार अभियान को याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने तीन राज्यों में देखा है कि वहां ''इंडी अलायंस'' (इंडिया' गठबंधन) का सफाया हो जाएगा। वहां की महिलाएं, किसान कांग्रेस पार्टी को उखाड़ फेंकने वाले हैं।'' भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि क्या तेलंगाना को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है, जो लोगों से नहीं मिलते। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हो या बीआरएस, उनकी पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद और खराब कानून व्यवस्था है और वे एक-दूसरे की 'कार्बन कॉपी' हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस, केसीआर एक समान, दोनों से रहो सावधान।''

उत्तर प्रदेश : बस कंडक्टर पर हमला मामला

हाशमी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ लारैब हाशमी नाम के छात्र ने बस कंडक्टर हरिकेश पर चापड़ से हमला किया था

प्रयागराज/भाषा। इंजीनियरिंग के एक छात्र ने बस कंडक्टर द्वारा कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने पर उसकी गर्दन पर धारदार हथियार (चापड़) से हमला किया। पुलिस ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। घटना शुक्रवार की है। लारैब हाशमी नाम के छात्र ने बस कंडक्टर हरिकेश पर चापड़ से हमला किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हाशमी को उसी दिन चंडी गांव से पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पैर में गोली लगी थी।

सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह चौहान ने कहा, ''पुलिस ने पूछताछ के लिए आरोपी का रिमांड हासिल कर लिया है।'' घटना की जानकारी उस वक्त मिली जब हाशमी की ओर से बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया में सार्वजनिक हुआ। हाशमी ने वीडियो में बस कंडक्टर का जिक्र करते हुए कहा, '' वह एक मुसलमान को गाली दे रहा था। इंशा अल्लाह वह नहीं बचेगा।'' उसने कहा, ''कोई यह न समझे कि सरकार मोदी और योगी की है। हमारे दिलों पर मुस्तफा ही राज करते हैं। अल्लाह हू अकबर, अल्लाह हू अकबर।''

वीडियो में हाशमी ने वह हथियार भी दिखाया जिससे उसने कंडक्टर पर हमला किया था। अस्पताल में पूछताछ के दौरान हाशमी ने पुलिस को बताया कि बस कंडक्टर ने उससे अभद्र बातें कही थीं जिसकी वजह से उसने हमला किया।

गिरफ्तारी के बाद हाशमी पुलिस को एक झाड़ी के पास ले गया जहां उसने हथियार छिपाया था। पुलिस ने वहां से एक पिस्तौल भी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पहले पुलिस पर गोली चलाई और उसकी जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी।

चौहान ने बताया कि कंडक्टर हरिकेश के पिता राम शिरोमणि विश्वकर्मा की शिकायत पर हाशमी के खिलाफ औद्योगिक क्षेत्र थाना में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) का मुकदमा दर्ज किया गया है।

सम्मान

सिनेमा ऑफ द वर्ल्ड श्रेणी के तहत प्रदर्शित ब्रांड बॉलीवुड डाउनअंडर के कलाकारों और क्रू को रविवार को गोवा में 54वें आईएफएफआई में फिल्म की प्रस्तुति में सम्मानित किया गया।

नागरिकों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने से नहीं डरना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 'लोक अदालत' के तौर पर अपनी भूमिका निभाई है और नागरिकों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने से नहीं डरना चाहिए, या इसे अंतिम उपाय के रूप में नहीं देखना चाहिए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''जिस तरह संविधान हमें स्थापित लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों को हल करने की अनुमति देता है, अदालती प्रणाली स्थापित सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के माध्यम से कई असहमतियों को सुलझाने में मदद करती है।

प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत में 'संविधान दिवस' समारोह के उद्घाटन के अवसर पर कहा, ''इस तरह, देश की हर अदालत में हर मामला संवैधानिक शासन का विस्तार है।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया। इस समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा, पिछले सात दशकों में, भारत के उच्चतम न्यायालय ने लोक अदालत के रूप में काम किया है। हजारों नागरिकों ने इस विश्वास के साथ इसके दरवाजे खटखटाये हैं कि उन्हें इस संस्था के माध्यम से न्याय मिलेगा।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों का नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर किया गया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों का नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर करने का फैसला किया है तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे लागू करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यों को आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) पोर्टल पर नये नाम वाले इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की तस्वीरें अपलोड करने को कहा गया है। नये नाम वाले एबी-एचडब्ल्यूसी की नई 'टैगलाइन' 'आरोग्य परमं धनम' होगी।

मशीन के टुकड़े निकालने के बाद हाथ से शुरू होगा श्रमिकों तक पहुँचने का काम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। सरकार ने कहा है कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के काम के समय टूटे ऑगर मशीन की हिस्सों को बाहर निकाला जा रहा है और उसके बाद हाथों से मजदूर तक पहुंचाने का रास्ता बनाया जाएगा।

एनडीएम के सदस्य तथा लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने रविवार को यहां नेशनल मीडिया सेंटर में संवाददाताओं को संबोधित करते श्रमिकों को निकालने की प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि ऑगर मशीन के टुकड़े 47 मीटर अंदर फंसे थे और उन्हें अब 35 मीटर तक बाहर निकाल लिया गया है। शेष काम रात तक पूरा होने की उम्मीद है और उसके बाद फिर हाथों से आगे की खुदाई का काम शुरू होगा।

श्रमिकों को निकालने के विकल्प का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि छह विकल्पों पर काम चल रहा है। पांच विकल्पों के लिए ज़रूरी तैयारी की जा चुकी है और अब छठे विकल्प पर भी विचार चल रहा है।

संसद लोकतंत्र की आत्मा है: उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि संसद लोकतंत्र की आत्मा है और इसकी सर्वोच्चता में कार्यपालिका या न्यायपालिका का कोई भी हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। यहां संविधान दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''संसद की संप्रभुता राष्ट्र की संप्रभुता का पर्याय है और यह अभेद्य है।'' उन्होंने कहा, ''संसद के विशिष्ट क्षेत्र में कोई भी अतिक्रमण संवैधानिक भूल और लोकतांत्रिक सार एवं मूल्यों के प्रतिकूल होगा।'' उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र की आत्मा है और इसकी सर्वोच्चता में कार्यपालिका या न्यायपालिका का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है।''

अपने संविधान के कारण ही विपरीत परिस्थितियों से बाहर निकला भारत : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि भारत लोकतंत्र को इसलिए मजबूत करने में सक्षम रहा, क्योंकि न्यायपालिका और सरकारों ने अपना काम किया है।

मेघवाल ने यह भी कहा कि भारत ने अपने संविधान के कारण अपने पड़ोसियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने संविधान को सजीव दस्तावेज बताया।

केंद्रीय मंत्री ने 'संविधान दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की उपस्थिति में कहा कि देश अपने संविधान के कारण ही प्रतिकूल परिस्थितियों से बाहर आने में सफल रहा है। उन्होंने कहा, हमारे आसपास के देशों को आजादी मिली- पाकिस्तान को हमारे साथ आजादी मिली; श्रीलंका को हमसे पहले आजादी मिली, लेकिन वहां अशांति थी, नेपाल में अशांति थी, म्यांमार में अशांति थी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को भी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''हमारे सही दिशा में बढ़ने का केवल एक प्रमुख कारण यह रहा कि हमारे पास सजीव दस्तावेज 'संविधान' था।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान के कारण ही भारत कई विपरीत परिस्थितियों से बाहर आया। उन्होंने कहा, हम विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों से बाहर आए। कई परिस्थितियां आईं जब सवाल उठाए गए कि क्या हम असंतुलित हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इसका एकमात्र बड़ा कारण भारतीय संविधान है।

तीसरी वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस संपन्न, विश्व कल्याण के लिए जुटेगी हिन्दू शक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/वार्ता। दुनिया में आर्थिक, राजनीतिक, मीडिया, औद्योगिक और तकनीक के क्षेत्र में हिन्दुओं को एकजुट करके उनकी सामूहिक शक्ति के साथ विश्व कल्याण के लिए सामर्थ्य हासिल करने के संकल्प के साथ तीसरी वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस का रविवार को यहां समापन हो गया।

तीन दिन तक चले इस सम्मेलन का समापन यजुर्वेद के 'शांति मंत्र' के साथ हुआ। सम्मेलन में 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में मां भारती के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बलिदानियों की याद में एक मिनट का मौन भी रखा गया। प्रख्यात संत माता अमृतानंदमयी अम्मा ने सभा में आशीर्वचन भी दिये।

चौथी वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस का आयोजन वर्ष 2026 में तथा वर्ल्ड हिन्दू इकॉनोमिक फोरम का शिखर सम्मेलन अगले साल मुंबई में आयोजित करने की घोषणा की गई। इस मौके पर सम्मेलन के अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने विश्व के 61 देशों के करीब 2200 प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उनका आह्वान किया कि वे अपने संपर्क के हर हिन्दू से जुड़ें और इस तरह से हिन्दू शक्ति को संगठित करें।

इजराइल-हमास ने रिहा किये बंधक और कैदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल बलाह/एपी। चरमपंथी संगठन हमास द्वारा 13 इजराइली और चार विदेशी बंधकों को रिहा किए जाने के बाद इजराइल ने कम से कम 36 फलस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। इसके साथ, इजराइल और हमास के बीच तनावपूर्ण युद्ध विराम आगे बढ़ता नजर आ रहा है।

हमास ने शनिवार को इजराइल पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जिसके चलते बंधकों और कैदियों की रिहाई में कई घंटों की देरी हुई।

शनिवार देर रात मध्य तेल अवीव में हजारों लोग एकत्रित हुए और उन्होंने हमास द्वारा सात अक्टूबर को बंधक बनाए गए सभी 240 लोगों को रिहा करने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर बंधकों को वापस लाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं करने का आरोप भी लगाया।

युद्ध में 1,200 से अधिक इजराइली नागरिकों की जानें जा चुकी है। हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 13,300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें लगभग दो तिहाई महिलाएं और बच्चे हैं।

हमास ने रविवार को घोषणा की थी कि उसके शीर्ष कमांडरों में से एक अहमद अल-घंडोर मारा गया है। उसने इस बारे कोई और जानकारी नहीं दी।

हमास के उत्तरी गाजा के शीर्ष कमांडर की मौत

हमास ने कहा है कि इजराइल के साथ युद्ध में उसका एक शीर्ष कमांडर मारा गया है।

चरमपंथी समूह ने रविवार को अहमद अल-गंदौर की मौत की घोषणा की। इसने हालांकि यह नहीं बताया कि वह कब और कहां मारा गया।

अल-गंदौर समूह की सशस्त्र शाखा का एक उच्च पदस्थ सदस्य और उत्तरी गाजा में हमास का शीर्ष कमांडर था।

वाशिंगटन स्थित 'काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट' के अनुसार, 2002 तक उसे मारने के लिए इजराइल द्वारा किए गए कम से कम तीन प्रयासों में वह बच गया था।

मुर्मू ने मुंबई आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुंबई आतंकवादी हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को रविवार को श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद के सभी स्वरूपों से लड़ने की प्रतिज्ञा दोहराने का लोगों से आग्रह किया।

पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादी समुद्री मार्ग से 26 नवंबर 2008 को मुंबई में घुसे थे और अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 166 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा अभियान करीब 60 घंटे तक चला था। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' राष्ट्र 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के सभी पीड़ितों को दुख के साथ याद करता है। हम जान गंवाने वाले बहादुर लोगों को याद करते हुए उनका सम्मान करने में उनके परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं।'

त्योहारों के इस मौसम में 4 लाख करोड़ रु. से ज्यादा का कारोबार हुआ : प्रधानमंत्री

मन की बात में मुंबई हमले में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि त्योहारों के इस मौसम में चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ और इस दौरान लोगों में भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह देखा गया। आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश वीर शहीदों को याद कर रहा है। उन्होंने कहा, ''26 नवंबर के दिन को हम कभी भी भूल नहीं सकते हैं। आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने मुंबई को, पूरे देश को थर्राकर रख दिया था। लेकिन यह भारत का सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उबरे और पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं।''

मोदी ने 'मन की बात' की 107 वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सिर्फ त्योहारों तक ही सीमित न रखने की अपील की और उनसे आग्रह किया कि उन्हें शादी के मौसम में भी स्थानीय उत्पादों को महत्व देना चाहिए।

'मन की बात' की पिछली कड़ी में लोगों से स्थानीय उत्पादों की खरीदारी पर बल देने के अपने आग्रह का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''बीते कुछ दिनों के भीतर ही दिवाली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया।''

उन्होंने कहा कि अब तो घर के बच्चे भी दुकान पर कुछ खरीदते समय देखने लगे हैं कि उस पर 'मेड इन इंडिया' लिखा है कि नहीं।

मोदी ने कहा, ''इतना ही नहीं ऑनलाइन सामान खरीदते समय भी अब लोग यह देखना नहीं भूलते हैं कि उत्पाद किस देश में बना है।'' उन्होंने कहा, ''जैसे स्वच्छ भारत अभियान की सफलता ही उसकी प्रेरणा बन रही है वैसे ही 'वोकल फॉर लोकल' की सफलता विकसित भारत और समृद्ध भारत के द्वार खोल रही है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' का अभियान पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। उन्होंने कहा, ''यह रोजगार की गारंटी है। यह विकास की गारंटी है, यह देश के संतुलित विकास की गारंटी है। इससे शहरी और ग्रामीण दोनों को समान अवसर मिलते हैं। इससे स्थानीय उत्पादों में गुणात्मक वृद्धि होती है और कभी वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आता है तो 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र हमारी अर्थव्यवस्था को संरक्षित भी करता है।''

वित्तीय प्रौद्योगिकी इकाई स्थापित करने की संभावना तलाश रही एलआईसी : चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपने डिजिटल बदलाव के तहत एक वित्तीय प्रौद्योगिकी इकाई स्थापित करने की संभावना तलाश रही है। एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि एलआईसी ने संपूर्ण डिजिटल बदलाव परियोजना डीआईवीई (डिजिटल इनोवेशन एंड वैल्यू एन्हांसमेंट) शुरू की है। परियोजना को चलाने के लिए एक सलाहकार नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारा मकसद परियोजना डीआईवीई के जरिए अपने सभी हितधारकों, ग्राहकों, मध्यस्थों, विपणन संबंधी लोगों और हर किसी के लिए श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ डिजिटल पहल स्थापित करना है।'' उन्होंने कहा कि एलआईसी को ज्यादातर नए ग्राहक अपने एजेंट के जरिए मिलते हैं। इसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी बदलाव देखने को मिलेगा। दावा निपटान, ऋण तथा अन्य सेवाएं जैसी सेवाएं एक बटन के 'क्लिक' पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

मोहंती ने कहा, '' ग्राहकों को कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। वह घर बैठे अपने मोबाइल के जरिए हमारी जरूरी सेवाओं तक पहुंच बना सकते हैं... हम वित्तीय प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और व्यवसाय के विस्तार में इसकी क्षमता का इस्तेमाल करेंगे।''

टोयोटा को भारतीय यात्री वाहन खंड में अगले साल 2023 की गति बने रहने की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय यात्री वाहन बाजार की रफ्तार चालू वर्ष की तरह ही अगले साल भी कायम रहने की उम्मीद है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कार्यकारी उपाध्यक्ष और भारत में प्रमुख विक्रम गुलाटी ने यह बात कही है। जहां 2024 में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) में तेज वृद्धि देखने की उम्मीद है, वहीं मध्य से उच्च वर्ग वाले खंड में भी तेज गति देखी जाएगी। हालांकि, छोटी कारों की श्रेणी चिंता का विषय बनी रहेगी।

अगले साल के दृष्टिकोण के बारे में पूछने पर गुलाटी ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे लगता है कि बाजार बढ़ रहा है। यह बहुत अच्छे तरीके से बढ़ता रहेगा। हम उस हिस्से से काफी आगे निकल चुके हैं, जब लोग कह रहे थे कि मांग में दबाव है। त्योहारी सत्र में बहुत अच्छी तेजी देखी गई। उन्होंने कहा, इससे भी आगे, मुझे लगता है कि बुनियादी बातें अच्छी हैं। आर्थिक पूर्वानुमान के संदर्भ में हमारी अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है और बहुत अशांत माहौल के बीच भी बढ़ रही है।

भारतीय संविधान एक सजीव दस्तावेज है: आंध्र प्रदेश के राज्यपाल

विजयवाड़ा/भाषा। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने रविवार को कहा कि भारतीय संविधान एक सजीव दस्तावेज है जो लगातार विकसित हो रहा है और समाज की बदलती जरूरतों के अनुरूप ढल रहा है। राज्यपाल ने 74वें संविधान दिवस के अवसर पर कहा कि संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि एक सामाजिक और राजनीतिक दस्तावेज है जो लोगों की बदलती आकांक्षाओं और जरूरतों को दर्शाता है।

राजभवन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में नजीर ने कहा, संविधान राष्ट्र की आधारशिला है, क्योंकि यह हमारे राष्ट्र के शासन की नींव रखता है और संस्थापक चाहते थे कि शासन के लिए संविधान कठोर ढांचे के बजाय एक अनुकूलनीय दस्तावेज हो। राज्यपाल ने राजभवन के दरबार हॉल में भारतीय संविधान के निर्माता बी आर आंबेडकर और अन्य संस्थापकों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह दिन न केवल इसे अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, बल्कि नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भी मनाया जाता है। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश नजीर ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी, जिसे कार्यक्रम में आए गणमान्य लोगों ने दोहराया। आंध्र प्रदेश के महाधिवक्ता एस श्रीराम और अन्य अधिकारियों ने भी समारोह में भाग लिया।

'भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2040 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने को तैयार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2040 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे वैज्ञानिकों को भी बेहतर कामकाजी माहौल मिलेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा परमाणु ऊर्जा व अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि 'एकेडी' जैसी कुछ विदेशी एजेंसियों ने अनुमान लगाया है कि यह आंकड़ा 2040 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार भी पहुंच सकता है।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा, '' वर्तमान में हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बहुत प्रभावशाली नहीं है। अभी यह करीब 80 लाख अमेरिकी डॉलर ही है। हालांकि, हम बेहद तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं अकेले विदेशी उपग्रह प्रक्षेपण में...हमने यूरोपीय उपग्रहों के प्रक्षेपण से करीब 23 से 24 करोड़ यूरो और अमेरिकी उपग्रहों के प्रक्षेपण से करीब 17 से 18 अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। ''

इसरो के रॉकेट प्रक्षेपण की 60वीं वर्षगांठ समारोह का यहां शनिवार को उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन' की स्थापना के साथ उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित की जा सकती है। इस तथ्य से सहमत होते हुए कि भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में संसाधन की कमी का सामना करना पड़ा उन्होंने कहा '' हमारे पास मौजूद वैज्ञानिक कौशल से हम इससे निपट सकते हैं।'' 2025 तक भारत एक व्यक्ति को अंतरिक्ष में भेजेगा और उसे सुरक्षित वापस लाएगा।

केसीआर को मुख्यमंत्री, राहुल को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बीआरएस और कांग्रेस में समझौता हुआ : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि के. चंद्रशेखर राव को फिर से तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनाने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस के बीच एक समझौता हुआ है और इसके तहत राव बाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में मदद करेंगे।

मकथल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राव को सत्ता से हटाने के लिए कांग्रेस को अगर वोट दिया तो उसके विधायक बीआरएस में चले जाएंगे। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस पार्टी और बीआरएस के बीच एक समझौता हुआ है। कांग्रेस यहां चंद्रशेखर राव (केसीआर) को मुख्यमंत्री बनवाएगी और केसीआर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनवाएंगे। शाह ने कहा कि अगर राव को सत्ता से हटाना है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाना ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के विधायक चीन की वस्तुओं की तरह हैं जिनकी कोई गारंटी नहीं होती है और वे कभी भी बीआरएस में जा सकते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने फैसला किया है कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो राज्य में पिछड़ी जाति के नेता को मुख्यमंत्री बनाएगी और तेलंगाना में अनुसूचित जाति के मडिगा समुदाय को 'ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल) आरक्षण' प्रदान करेगी। शाह ने अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के मुफ्त दर्शन कराने के भाजपा के वादे पर भी प्रकाश डाला।

कोचीन विश्वविद्यालय में भगदड़ मामले की जांच करेगी विशेषज्ञ समिति : केरल सरकार

कोच्चि/भाषा। केरल सरकार ने रविवार को कहा कि एक दिन पहले कोचीन विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ मामले की जांच के लिए उसने एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। राज्य की उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिंदु ने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए विशेषज्ञ समिति दिशा-निर्देश भी तैयार करेगी।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के कुलपति और उच्च शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव से इस घटना के संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के आयोजन किए जाते हैं तो भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने का जिम्मा आयोजकों का होता है। उन्होंने कहा कि सभी रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

राज्य के कानून एवं उद्योग मंत्री पी. राजीव ने कहा कि पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के संबंध में एर्नाकुलम के सभी सभागारों को परामर्श जारी किए हैं लेकिन इनमें शैक्षिक संस्थानों को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि चार मृतकों में विश्वविद्यालय के तीन छात्र और चौथा व्यक्ति बाहरी था।

श्रीनगर में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की निगरानी बढ़ाएं : आईजीपी कश्मीर

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी के बिरदी ने पुलिस अधिकारियों से श्रीनगर में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और स्थानों की सुरक्षा निगरानी बढ़ाने को कहा है। आईजीपी ने पुलिस अधिकारियों को श्रीनगर में आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए संवेदनशील व्यक्तियों का ख्याल रखने का भी निर्देश दिया । आईजीपी बिरदी ने क्षेत्र में सुरक्षा परिदृश्य को मजबूत करने के सक्रिय प्रयास के तहत रविवार को यहां एक व्यापक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक इस बैठक में मध्य कश्मीर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक, श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और सभी जोनल पुलिस अधीक्षकों समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक इस बैठक में जिले में सुरक्षा परिदृश्य से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। कश्मीर के आईजीपी ने जिले में मौजूदा सुरक्षा खतरों और चुनौतियों के व्यापक मूल्यांकन पर जोर दिया।

ठाणे और पालघर में भारी बारिश, आकाशीय बिजली गिरने से इमारत में आग लगी

ठाणे/पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे और पालघर जिले के कई हिस्सों में रविवार तड़के भारी बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से ठाणे में एक इमारत में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ अधिकारी साकिब खरबे ने बताया कि ठाणे में भिवंडी शहर के कलहेर क्षेत्र में दुर्गेश पार्क इलाके में एक इमारत की प्लास्टिक की छत पर सुबह लगभग पौने सात बजे आग लग गई। उन्होंने कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन आग से इमारत की प्लास्टिक की छत क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। पालघर में बारिश के बाद कुछ मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं की सूचना मिली। पालघर जिला ग्रामीण नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि केलवे पुलिस थाना अंतर्गत इस तरह की एक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

कांग्रेस नहीं, केसीआर बताएं कि उन्होंने तेलंगाना के लिए क्या किया है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंडोले (तेलंगाना)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से कहा कि वह सबसे पुरानी पार्टी ने दक्षिणी राज्य के लिये क्या किया, इसपर सवाल उठाने से पहले लोगों को बताएं कि उन्होंने तेलंगाना के लिए क्या किया।

गांधी ने यहां एक चुनावी रैली में आरोप लगाया कि केसीआर देश में सबसे भ्रष्ट सरकार चला रहे हैं और पैसा कमाने वाले सभी विभाग राव के परिवार के सदस्यों के पास हैं।

उन्होंने कहा कि अगर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो पार्टी द्वारा दी गई 'छह गारंटी' को कैबिनेट की पहली बैठक में ही कानून का रूप देकर इसे लागू कर दिया जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा, ''आज तेलंगाना में दोराला सरकार (सामंती सरकार) और प्रजाला सरकार (जनता की सरकार) के बीच लड़ाई है। आपके मुख्यमंत्री पूछ रहे हैं कि कांग्रेस ने क्या किया है। सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस ने क्या किया है, सवाल यह है कि केसीआर ने क्या किया है।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति को और बाद में राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को हराना है। राहुल गांधी ने कहा कि हैदराबाद शहर, जहां से राव कथित तौर पर करोड़ों रुपये लूट रहे हैं, उसे कांग्रेस ने विकसित किया और इसे आईटी हब बनाया।

केरल: बस में महिला के साथ दुर्व्यवहार करने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार

कोट्टयम/भाषा। केरल के कोट्टयम जिले में एक पुलिसकर्मी को बस में महिला से कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को जिले के पोनकुन्नम में हुई। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी अजस मोहन ने कथित तौर पर बस में उसका कोट्टयम से मुंडाकयम तक पीछा किया। इसने बताया कि यात्रा के दौरान अपने नौ महीने के बच्चे को स्तनपान करा रही महिला के साथ उसने कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया।

इसके बाद महिला पोनकुन्नम में बस से उतर गई और दूसरी बस में चढ़ गई। पुलिसकर्मी भी उसी बस में सवार हो गया।

मोहम्मद अजहरुद्दीन तेलंगाना विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के प्रति आश्वस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहम्मद अजहरुद्दीन बोले, चुनाव प्रचार अभियान वास्तव में अच्छा चल रहा है और लोगों से मिल रही है बहुत अच्छी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली/भाषा। क्रिकेटर से राजनीतिक नेता बने मोहम्मद अजहरुद्दीन तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जुबली हिल्स सीट पर अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं और उन्हें विश्वास है कि उनके घरेलू मैदान में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उन्हें 'बाउंसर' गेंद डालकर छका नहीं पाएगी।

कांग्रेस प्रत्याशी अजहरुद्दीन का मानना है कि असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी एआईएमआईएम का एकमात्र लक्ष्य वोट काटना तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की 'बी-टीम' के रूप में काम करना है।

कभी क्रिकेट के मैदान पर अपनी कलात्मक बल्लेबाजी और गेंद कैच करने के हुनर के लिए सराहे जाने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान को तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने का विश्वास है। उन्होंने कहा कि वह 'फ्रंट फुट' पर खेल रहे हैं, लेकिन जब गेंद मारने लायक होती है तो वह उस पर 'बैक फुट' से प्रहार करते हैं। हैदराबाद से बल्लेबाज रहे अजहरुद्दीन ने अपने शानदार खेल से क्रिकेट में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

लगातार तीन शतकों के साथ अपने क्रिकेट करियर की विस्फोटक शुरुआत की तरह ही उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी भी शुरू की और 2009 में उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद लोकसभा सीट से जीत दर्ज की।

हालांकि, वह 2014 में राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से चुनाव हार गए और धैर्यपूर्वक इंतजार करने के बाद अब वह तेलंगाना में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वह सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जुबली हिल्स विधानसभा सीट राज्य में सत्तारूढ़ बीआरएस से छीनने के लिए प्रयासरत हैं।

अजहरुद्दीन ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि उनका चुनाव प्रचार अभियान वास्तव में अच्छा चल रहा है और लोगों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में उनका एजेंडा विकास का है, जिसमें जल निकासी और जलापूर्ति की समस्या तथा बढ़ते 'हुडदंग' मुख्य मुद्दे हैं जिनसे निपटने की आवश्यकता है।

जब आजादी के सपने बेचे जा रहे थे तब नेशनल कांफ्रेंस ने तिरंगे के लिए कुर्बानी दी थी : उमर

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा को राष्ट्रध्वज को ऊंचा रखा है और जब दूसरे लोग जम्मू-कश्मीर के लोगों को आजादी के सपने बेच रहे थे और युवाओं के हाथों में हथियार दे रहे थे, तब पार्टी ने इसके लिए बलिदान किया था। उमर ने कुपवाड़ा में पत्रकारों से कहा, तिरंगा फहराने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। क्यों होनी चाहिए। मैं स्वयं छह वर्षों तक स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराता रहा हूं। तिरंगे से हमने कब नाता नहीं रखा। हमने 1947 से इस ध्वज के लिए बलिदान दिया है।' उन्होंने कहा, जो लोग अब राजनीति कर रहे हैं उन्होंने बंदूक का भी फायदा उठाया है। जब नेशनल कांफ्रेंस में हमारे साथी मारे जा रहे थे तो वे आनंद ले रहे थे। वे जम्मू-कश्मीर के लोगों को आजादी के सपने बेच रहे थे, वे युवाओं के हाथों में हथियार थमा रहे थे, उन बंदूकों ने नेशनल कांफ्रेंस के कई कार्यकर्ताओं की जान ले ली। हमने उस समय भी हाथों में यह झंडा थामे रखा। पूर्व मुख्यमंत्री ने उत्तरी कश्मीर जिले के लंगेट इलाके में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को भी संबोधित किया।

कानूनों को सरल और युवा पीढ़ी के अनुकूल बनाने की जरूरत: न्यायमूर्ति संजीव खन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संजीव खन्ना ने रविवार को कहा कि कानूनों को सरल, सुलभ, अधिक मानवीय और युवा पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बनाने की 'सख्त जरूरत' है।

न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि भारतीय संविधान लाखों लोगों के जीवन पर प्रभाव डालने वाला एक 'सजीव दस्तावेज' है। उन्होंने सभी से 'दृढ़ संकल्प, एकता और आशावाद के साथ आगे बढ़ने' का आग्रह किया। वह अगले साल नवंबर में मौजूदा प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की सेवानिवृत्ति के बाद देश के अगले प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बनने वाले हैं। न्यायमूर्ति खन्ना शीर्ष अदालत में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर को 1949 में भारत के संविधान को अंगीकार करने के उपलक्ष्य में 2015 से इस दिन को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले, इस दिन को कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा, ''चूंकि हम 74वां संविधान दिवस मना रहे हैं, हम खुद को अपने राष्ट्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण में पाते हैं। भारतीय संविधान को बार-बार एक सजीव दस्तावेज के रूप में वर्णित किया गया है, क्योंकि यह हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है। इसने 1950 में 35 करोड़ लोगों का जीवन बदल दिया था और आज भी 140 करोड़ लोगों के जीवन पर इसकी अमिट छाप और प्रभाव बना हुआ है।''

शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा, ''आज जब हम अपनी कानूनी प्रणाली के उद्देश्यों पर विचार कर रहे हैं, तो हमें अपने कानूनों को अधिक सरल और सुलभ (एवं) युवा पीढ़ी के लिए प्रासंगिक तथा अधिक मानवीय बनाने की तत्काल आवश्यकता को समझना चाहिए।

नीट तमिलनाडु पर थोपा गया, जनता के समर्थन से इससे छूट मिलेगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को कहा कि नीट को तमिलनाडु पर थोपा गया, जिससे उसका मेडिकल आधाभूत ढांचा नष्ट हो रहा है। स्टालिन ने कहा कि राज्य जनता के समर्थन से खुद को इससे छूट दिलाएगा। स्टालिन ने डॉक्टर्स एसोसिएशन फॉर इक्रेलिटी (डीएएसई) के चौथे राज्य सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कई मेडिकल अभ्यर्थियों की कथित तौर पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर राज्य में आत्महत्याओं को याद किया।

स्टालिन ने आरोप लगाया कि नीट तमिलनाडु में मेडिकल आधारभूत ढांचे को नष्ट करने के लिए थोपा गया था। स्टालिन ने कहा, हमने नीट छूट सुनिश्चित करने के लिए कानूनी संघर्ष शुरू किया है। कुछ लोग अहंकार के साथ कह सकते हैं, यहां तक कि कुछ (सरकारी) पदों पर बैठे लोग भी यह कह सकते हैं कि नीट से छूट संभव नहीं है। (लेकिन) नीट से छूट हमारा उद्देश्य है और यह जनता के समर्थन से होगा।

स्टालिन तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) पार्टी के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि द्रमुक की युवा शाखा, छात्र शाखा और चिकित्सा शाखा द्वारा शुरू किया गया नीट विरोधी हस्ताक्षर अभियान एक जन आंदोलन बन गया है।

तमिलनाडु सरकार ने यह दलील देते हुए राज्य के लिए नीट छूट की मांग करते हुए एक से अधिक बार विधानसभा प्रस्ताव पारित किये हैं कि केंद्रीय पात्रता परीक्षा सामाजिक न्याय के खिलाफ है।

मन-की-बात में गरीब बच्चों की सहायता को समर्पित कोयंबटूर के लोगानाथन की चर्चा की मोदी ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में रविवार को तमिलनाडु के कोयम्बटूर में रहने वाले लोगानाथन का उल्लेख किया और बच्चों की मदद के उनके संकल्प को बेमिसाल बताया। मोदी ने 'मन की बात' की इस कड़ी में स्वच्छता अभियान के जन अभियान बनने और इसके महत्व पर चर्चा करते हुए लोगानाथन की कहानी सुनायी। मोदी ने उनके बारे में मिली जानकारी के आधार पर बताया कि लोगानाथन बचपन में गरीब बच्चों के फटे कपड़ों को देखकर अक्सर परेशान हो जाते थे। इसके बाद उन्होंने ऐसे बच्चों की मदद का प्रण लिया और अपनी कमाई का एक हिस्सा इन्हें दान देना शुरू कर दिया। जब पैसे की कमी पड़ी तो लोगानाथन ने शौचालय तक साफ़ किये ताकि जरूरतमंद बच्चों की मदद हो सके। वह पिछले 25 सालों से पूरी तरह समर्पित भाव से अपने इस काम में जुटे हैं और अब तक 1500 से अधिक बच्चों की मदद कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने उनके प्रयास की सराहना करते हुए, 'देशभर में हो रहे इस तरह के अनेकों प्रयास न सिर्फ हमें प्रेरणा देते हैं बल्कि कुछ नया कर गुजरने की इच्छाशक्ति भी जगाते हैं। स्वच्छ भारत अभियान ने अलग-अलग क्षेत्र के लोगों, विशेषकर युवाओं को सामूहिक भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया है।'

इस संदर्भ में उन्होंने सूरत में युवाओं की एक टीम 'प्रोजेक्ट सूरत' की भी चर्चा की जिसका लक्ष्य सूरत को स्वच्छ एवं स्वस्थ विकास का एक आदर्श नगर बनाना है। 'सफाई संडे' नाम से युवाओं के इस अभियान की शुरुआत पहले सार्वजानिक जगहों और डुमस बीच से हुई । बाद में ये लोग तापी नदी के किनारों की सफाई में जुट गए । इससे जुड़े लोगों की संख्या 50 हजार से ज्यादा हो गई है। मोदी ने बताया कि इस टीम ने लाखों किलोग्राम कचरा हटाया है।

उन्होंने अंबाजी में 'भादरवी पूनम मेले' में इस बार 50 लाख से ज्यादा लोगों आने और उनकी ओर से गब्बर हिल के एक बड़े हिस्से में सफाई अभियान चलाए जाने की भी चर्चा की। मोदी ने कहा मंदिरों के आसपास के पूरे क्षेत्र को स्वच्छ रखने का ये अभियान बहुत प्रेरणादायी है।

इंडिया गठबंधन अस्थिर, स्टालिन गठबंधन तोड़ रहे हैं : एल मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक के अध्यक्ष एम के स्टालिन पर इंडिया गुट को तोड़ने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का हिस्सा होने के नाते स्टालिन ने यह कहकर इंडिया गुट को तोड़ने का काम शुरू कर दिया है कि अगला प्रधानमंत्री मंत्री का चयन उनके द्वारा किया जाएगा।

मुरुगन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इससे पता चलता है कि स्टालिन ने कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी को प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में स्वीकार नहीं किया। साथ ही, सवाल यह भी उठता है कि क्या स्टालिन कह रहे हैं कि अखिलेश यादव या ममता बनर्जी या उदयनिधि स्टालिन को प्रधान मंत्री के रूप में नामित किया जाना चाहिए। इंडिया ब्लॉक एक अस्थिर गठबंधन है। मुरुगन ने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार से तमिलनाडु में जाति-वार जनगणना कराने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक यह दावा करके लोगों को धोखा दे रही है कि वे सामाजिक न्याय के संरक्षक हैं। जिस तरह मंडल आयोग की रिपोर्ट ओबीसी के लिए उपयोगी थी, उसी तरह बिहार में जाति-वार जनगणना भी पूरी हो चुकी है। इसके बाद, जाति-वार जनगणना की जाएगी तमिलनाडु में आयोजित किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने कहीं नहीं कहा है कि जाति-वार जनगणना नहीं की जानी चाहिए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस विचार के साथ काम कर रहे हैं कि आरक्षण सहित सभी कल्याणकारी योजनाएं भारत के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचनी चाहिए।

फॉर्च्यून पार्क होटल्स ने तमिलनाडु में छठी इकाई खोली

चेन्नई। आईटीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फॉर्च्यून पार्क होटल्स ने तमिलनाडु के तिरुपुर में अपनी नई संपत्ति का उद्घाटन करते हुए राज्य में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। कंपनी ने एक आधिकारिक बयान में रविवार को कहा कि देश के होजरी परिधान केंद्र के रूप में प्रसिद्ध तिरुपुर में नई संपत्ति का उद्घाटन दक्षिण भारत में फॉर्च्यून होटल के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फॉर्च्यून पार्क होटल प्रदेश में पांच अन्य शहरों वेल्लोर, ऊटाकामुंड, मदुरै, चेन्नई और होसुर में हैं।

फॉर्च्यून होटल्स के प्रबंध निदेशक समीर एमसी ने एक बयान में कहा, फॉर्च्यून पार्क तिरुपुर तमिलनाडु में हमारा छठा मील का पत्थर है। तिरुपुर जैसे शहरों के आकर्षण को ध्यान में रखते हुए दूसरी और तीसरी श्रेणी के बाजारों में अपनी सफल प्रगति जारी रखना रोमांचक है। विज्ञप्ति में कहा गया कि फॉर्च्यून पार्क होटल्स की देश भर के 54 शहरों में उपस्थित है।

इसरो ने पहले साउंडिग रॉकेट के प्रक्षेपण की मनाई हीरक जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने तिरुवनंतपुरम के थुंबा में पहले साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण की हीरक जयंती के अवसर पर 2452वें साउंडिंग रॉकेट 'रोहिणी 200' को प्रतीकात्मक रूप से प्रक्षेपित किया।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में आयोजित एक भव्य समारोह में इसरो ने 21 नवंबर, 1963 को थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन से नाइके-अपाचे साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ अंतरिक्ष में अपने पहले प्रयास की 60 वीं वर्षगांठ मनाई। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने भाग लिया और कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के सचिव एस सोमनाथ ने समारोह की अध्यक्षता की जबकि विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने सभा को संबोधित किया।

शनिवार को आयोजित इस समारोह में उल्लेखनीय रूप गणमान्य व्यक्ति जिनमें इसरो के पूर्व अध्यक्ष जी माधवन नायर, विभिन्न इसरो केंद्रों (वीएसएससी, एलपीएससी, एसडीएससी, एचएसएफसी, आईपीआरसी और आईआईएसयू) के निदेशक, वीएसएससी के पूर्व निदेशक, शुरुआती वर्षों के दौरान सेवा करने वाले अनुभवी कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जयंती समारोह के हिस्से के रूप में इसरो के अतीत, वर्तमान और भविष्य के कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

थुम्बा से 'रोहिणी 200' के 2452वें साउंडिंग रॉकेट प्रक्षेपण ने इस कार्यक्रम में एक शानदार स्पर्श जोड़ा। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रक्षेपण नियंत्रण केंद्र के पास अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की छह दशकों की उपलब्धियों का प्रतीक एक हीरक जयंती स्मारक का अनावरण किया।

चेन्नई जीपीओ का जीर्णोद्धार करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई शहर के डाक विभाग ने 150 वर्ष पुरानी विरासत संरचना चेन्नई जीपीओ का जीर्णोद्धार करने के लिए मेसर्स इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। यह जानकारी अधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। चेन्नई जीपीओ का 26 अप्रैल, 1884 को व्यावसायिक परिचालन शुरू हुआ। इमारत को ब्रिटिश वास्तुकार रॉबर्ट चिशोल्म ने डिजाइन किया था और 68 लाख रुपये की लागत से इसका निर्माण करने में 10 वर्ष लगे थे। न्यायमूर्ति ई. पद्मनाभन समिति ने चेन्नई जीपीओ को 'ग्रेड 1 - विरासत स्थल' घोषित किया था।

विज्ञप्ति के अनुसार, विरासत भवन का जीर्णोद्धार करने और संरक्षित करने के लिए, डाक विभाग ने मुख्य पोस्टमास्टर, चेन्नई जीपीओ के माध्यम से इंटैक, नयी दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन पर चेन्नई जीपीओ की मुख्य पोस्टमास्टर सुश्री आर अमुधा और मैसर्स इंटैक चेन्नई चैप्टर की संयोजक सुश्री सुजाता शंकर ने हस्ताक्षर किये। मैसर्स इंटैक वर्तमान में दिल्ली जीपीओ, मुंबई जीपीओ और नागपुर जीपीओ - विरासत भवन के जीर्णोद्धार का कार्य कर रहा है। गौरतलब है कि मैसर्स इंटैक के पास पुरातात्व महत्व की विरासत संरचना के नवीकरण में पेशेवर विशेषज्ञता है। इस अवसर पर सुश्री बी.पी. श्रीदेवी, पोस्टमास्टर जनरल (मेल एवं बिजनेस डेवलपमेंट); मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, तमिलनाडु सर्कल कार्यालय, जी. नटराजन; पोस्टमास्टर जनरल, चेन्नई सिटी क्षेत्र, बी. अरुमुगम; निदेशक डाक सेवाएं (मुख्यालय); मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, तमिलनाडु सर्कल, सुश्री के. हेमलता; सहायक निदेशक, पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय, चेन्नई सिटी क्षेत्र भी उपस्थित हुए।

यूनिवर्सल सोम्पो ने पीएमएसबीवाई के तहत तमिलनाडु में पहली छमाही में 21 लाख बीमा किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्र की प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) की भागीदार यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस ने इन योजना के तहत चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में तमिलनाडु में 21 लाख लोगों का बीमा किया। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी।

कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2023) में पिछले वर्ष की तुलना में 47 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तमिलनाडु में 21 लाख लोगों का बीमा किया है।

यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, कर्नाटक बैंक, डाबर इन्वेस्टमेंट्स और सोम्पो जापान इंश्योरेंस का एक संयुक्त उद्यम है। इसका मुख्यालय मुंबई में है।

कंपनी ने 2015 में योजना शुरू होने के बाद से तमिलनाडु में 45 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का भुगतान किया है।

सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) योजना का मकसद 20 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर एक वर्ष का आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता बीमा करना है।

मुख्यमंत्री का 'जन स्पंदन' कार्यक्रम आज

जनता की शिकायतों का मौके पर किया जाएगा समाधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता की शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया सोमवार को सुबह 9.30 बजे से जन स्पंदन कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री सचिवालय ने सभी तैयारियां कर ली हैं। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. रजनीश गोयल ने रविवार शाम को गृह कार्यालय 'कृष्णा' का दौरा किया और तैयारियों की समीक्षा की। प्राप्त शिकायतों का विभागवार निराकरण कर सॉफ्टवेयर में दर्ज किया जाएगा। आवेदकों को स्वीकृति पत्र देने के बाद मुख्यमंत्री शिकायतें सुनेंगे और समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने पहले ही एक परिपत्र जारी कर सभी सरकारी सचिवों / विभागाध्यक्षों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और उपायुक्तों, जिला पंचायत सीईओ और पुलिस अधीक्षकों और सभी जिला / उप-मंडल / तालुका स्तर के अधिकारियों को उपस्थित होने का निर्देश दिया है। आने वाले नागरिकों की पहचान के लिए आधार कार्ड या राशन कार्ड जरूरी है। दस्तावेजित आवेदन की स्थिति का पता लगाना आसान होगा। मुख्यमंत्री के गृह कार्यालय कृष्णा में पिछले तीन दिनों से सभी तैयारियां की जा रही हैं। शिकायतें दर्ज कराने आने वाले नागरिकों के लिए पेयजल, भोजन, शौचालय और अन्य सुविधाएं की गई हैं।

संविधान दिवस पर अंबेडकर को पुष्पांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। विधानसौधा के सम्मेलन कक्ष में मंत्रालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारत के संविधान के एक अंश प्रस्ताव का उपदेश दिया एवं सभी को संविधान स्वरूप कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा, मुख्य सचिव वंदिता शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव और विकास आयुक्त शालिनी रजनीश और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जाति सर्वेक्षण पर कांग्रेस : लिंगायत शीर्ष स्थान से बेदखल हो जाएंगे

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट को स्वीकार करने पर अड़े रहने के विपरीत वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा ने रविवार को संकेत दिया कि अगर इसे सार्वजनिक किया गया तो लिंगायत अब राज्य में सबसे बड़ा समुदाय नहीं रहेगा। शिवशंकरप्पा ने आरोप लगाया कि सर्वेक्षण दोषपूर्ण पद्धति अपनाकर किया गया है और इसे वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर नये सिरे से कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, डेटा वीरशैव लिंगायत की उप-जातियों जैसे सदर, बनजिगा, नोनाबा और अन्य के आधार पर संकलित किया गया है, इसलिए इस सर्वेक्षण में हमारी संख्या घट जाएगी। राज्य में लिंगायत निकाय के प्रमुख शिवशंकरप्पा ने आरोप लगाया कि सर्वेक्षण से पता चला है कि वीरशैव लिंगायतों की आबादी लगभग 60-70 लाख है।

हालांकि उन्होंने कहा कि समुदाय जाति सर्वेक्षण के खिलाफ नहीं है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी सर्वेक्षण का विरोध किया और वह इसके निष्कर्षों के खिलाफ वोक्कालिंगा नेताओं की एक याचिका पर हस्ताक्षर करने वालों में से एक थे। चूंकि सिद्दारमैया पर पार्टी के भीतर से दबाव बढ़ रहा है और वह इस बात पर कायम हैं कि रिपोर्ट स्वीकार की जाएगी। साथ ही सरकार ने कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। अध्यक्ष जयप्रकाश हेगड़े का कार्यकाल 25 नवंबर को खत्म हो गया है। सरकार ने पहले कहा था कि रिपोर्ट नवंबर में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के रूप में जयप्रकाश हेगड़े के कार्यकाल के अंत तक स्वीकार कर ली जाएगी। फिलहाल हेगड़े का कार्यकाल दो महीने के लिए बढ़ा दिया गया है क्योंकि उनका कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो गया था।

लोकसभा चुनाव: 'जिताऊ' उम्मीदवारों की तलाश, क्या पूरी होगी कांग्रेस की आस?

बेंगलूरु। कर्नाटक में लोकसभा के 20 निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने की रणनीति तैयार करने के लिए वाली कांग्रेस को आगामी चुनावों में 'जिताऊ' उम्मीदवार ढूंढने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के प्रतिनिधित्व वाले चामराजनगर, मैसूरु-कोडगु लोकसभा क्षेत्र सहित राज्य के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों की तलाश हो रही है।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बेंगलूरु ग्रामीण को छोड़कर 27 सीटों पर हार गई थी। उस समय, जद (एस) के साथ गठबंधन में मैदान में उतरी कांग्रेस को केवल एक निर्वाचन क्षेत्र में जीत मिली थी। इसी तरह, जद (एस) भी केवल हासन निर्वाचन क्षेत्र से जीती और बाकी में हार गई। हालांकि, राज्य के 28 लोकसभा क्षेत्रों में से भाजपा ने 25 निर्वाचन क्षेत्रों में अभूतपूर्व जीत हासिल कर एक नया इतिहास रचा था। विधानसभा चुनाव में 136 सीटें जीतकर सत्ता में आई कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में भी इन्हीं आंकड़ों के आधार पर कम से कम 20 सीटें जीतीं और शीर्ष पंक्ति के नेताओं ने तारीफ पाने के लिए काफी प्रयास किए।

केवल मैसूरु-कोडगु निर्वाचन क्षेत्र नहीं, मांड्या, हासन, चामराजनगर, कोलार, तुमकूरु, बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु दक्षिण, विजापुर, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, उडुपी-चिक्कमगलुरु, हावेरी, रायचूर 15 निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसे उम्मीदवार ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है, जिन पर जीतने के वास्ते दांव लगाया जा सके।

हालांकि कुछ जगहों पर उम्मीदवार हैं भी, लेकिन वे चुनाव लड़ने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। इस कमी को दूर करने के लिए पर्दे के पीछे से भाजपा और जद (एस) के करिश्माई और प्रभावशाली नेताओं को आकर्षित करने की कोशिश की जा रही है। जद (एस), भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गई है। वहीं, बीवाई विजयेंद्र को राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। विपक्षी दलों के नेता, जिन्होंने पहले कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, वे अब पीछे हट गए हैं। हालांकि मंत्री के प्रभार के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए समितियां नियुक्त की गई हैं, लेकिन 'जिताऊ' उम्मीदवार ढूंढने में उन्हें भी खूब मेहनत करनी पड़ रही है। कुछ जिलों से उम्मीदवारों के बारे में रिपोर्टें मिल चुकी हैं, लेकिन उनसे प्रदेश के नेता संतुष्ट नहीं हैं। अब देखना यह होगा कि सिद्दरामैया और शिवकुमार आगे क्या रणनीति बनाएंगे।

राजस्थान राजनीति की बदलती रेत में वसुंधरा राजे की किस्मत अधर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पिछले पांच सालों में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अलग-अलग कारणों से सुर्खियां बटोरती रही हैं। पार्टी कार्यालय से उनके पोस्टर हटाए जाने, भाजपा की रैलियों और विरोध प्रदर्शनों से उनकी अनुपस्थिति और अंततः पार्टी के पोस्टरों, समारोहों में उनकी वापसी और अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन्हें दरकिनार किए जाने के कारण वह सुर्खियों में रहीं। हालांकि, कई समारोहों में नजरअंदाज किए जाने के बावजूद, राजे राजस्थान में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में अपने अनुयायियों के लिए लगभग 40 से अधिक टिकट हासिल करने में सफल रहीं, जो दर्शाता है कि मैडम को अभी भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अब जब चुनाव की गहमागहमी खत्म हो गई है, तो कांग्रेस और बीजेपी खेमे में समान रूप से सवाल पूछे जा रहे हैं कि चुनाव के बाद मैडम को क्या मिलेगा और वह कहां जाएंगी। पिछले सप्ताह अलग-अलग स्थानों पर अपने कार्यकर्ताओं के लिए प्रचार करते हुए राजे ने न केवल भारी भीड़ जुटाई, बल्कि मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की जा रही विभिन्न नीतियों

के कारण राज्य पर बढ़ते कर्ज के बोझ के लिए भी गहलोत सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने एक चुनावी रैली में कहा,राजस्थान में हर बच्चा अपने सिर पर लगभग 70 हजार रुपये का कर्ज लेकर पैदा होगा। गहलोत के समय में राज्य पर सबसे ज्यादा कर्ज हो गया है। यह कर्ज सरकार ने कांग्रेस के विकास के लिए लिया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकारी खजाने से पैसा प्रदेश की जनता पर नहीं, बल्कि अपने विधायकों पर खर्च करते हैं। जब कांग्रेस विधायकों ने सरकार गिराने की कोशिश की तो महीनों तक विधायकों की बाड़ेबंदी में भारी रकम खर्च की गई। पूरा प्रवास 5-सितारा होटलों में था। ये पैसा जनता का था। आज निवेशक राजस्थान से भाग रहे हैं क्योंकि यहां देश में सबसे ज्यादा बिजली दरें हैं।'' राजे ने कांग्रेस सरकार पर उसके घोषणापत्र को लेकर भी हमला बोला था और कहा था कि वह सच नहीं बोलती। उन्होंने कहा था, ''कांग्रेस ने 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, जबकि केवल 2.5 लाख पद खाली हैं। वे 4 लाख नौकरियां कैसे देंगे? गहलोत कह रहे हैं कि उन्होंने 3 लाख युवाओं को नौकरी दी।

दरअसल, 25 नवंबर को चुनाव से पहले, वह ईआरसीपी, कृषि ऋण माफी आदि मुद्दों पर गहलोत सरकार पर हमला कर रही थीं। एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा,इससे साफ पता चलता है कि उन्होंने तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद नहीं खोई है। उन्होंने न केवल चुनाव प्रचार के दौरान भारी भीड़ जुटाई, बल्कि अपनी सभी सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और गहलोत द्वारा किए गए कार्यों की आलोचना की। इससे पता चलता है कि वह वरिष्ठ नेताओं के गुड बुक में रहना चाहती हैं। और इससे यह भी पता चलता है कि वह खुद सीएम पद की दौड़ में शामिल होना चाहती हैं।''

मतदान के बाद सबकी निगाहें गहलोत के राजनीतिक भविष्य पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मतदाताओं ने शनिवार को अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद सड़कों पर फिर से सन्नाटा पसर गया है। बहरहाल, राजनीति और सत्ता के गलियारों में सीएम अशोक गहलोत की किस्मत को लेकर चर्चा हो रही है। जीते तो चौथी बार बनेंगे सीएम? और अगर वह हार गए तो क्या यह उनके राजनीतिक करियर पर पर्दा है?

खुद गहलोत कहते रहे हैं कि हर चुनाव के बाद सत्ता बारी-बारी से हाथ में जाने की दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए उनकी सरकार दोबारा लौटेगी। कांग्रेस आलाकमान ने इस बार विधानसभा चुनाव में बिना चेहरे के उतरने की घोषणा की थी, जिसका मतलब है कि अभी तक कोई आधिकारिक सीएम उम्मीदवार नहीं है। अगर पार्टी दोबारा रेगिस्तानी राज्य जीतती है तो पार्टी नेतृत्व यह फैसला बाद में लेगा।

कुछ कांग्रेस नेताओं का दावा है कि अगर पार्टी जीतती है तो गहलोत चौथी बार सीएम बनेंगे, वहीं पार्टी के कुछ नेता ऐसे भी हैं जो कहते हैं कि गहलोत को चौथी बार सीएम बनने

का मौका नहीं मिलेगा। एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा, ''गहलोत तीन बार सीएम रह चुके हैं। इस बार ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है जिनकी हार निश्चित है। दरअसल, पहले तय हुआ था कि ऐसे उम्मीदवारों को टिकट नहीं मिलेगा, लेकिन उन्हें मौका दिया गया है। गहलोत चाहते थे कि वे चुनाव लड़ें। अब अगर वे हारे तो जिम्मेदारी उन्हें ही लेनी होगी, इसलिए आलाकमान ने गेंद उनके पाले में डाल दी है ताकि चुनाव में जो भी नतीजा आए उसकी जिम्मेदारी वह ले सकें।''एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा, ''गहलोत ने अपने काम के लिए डिजाइन बॉक्स को मार्केटिंग एजेंसी के रूप में चुना। एजेंसी ने एक तरह से कांग्रेस का लोगो दोबारा लॉन्च किया। इसके सभी विज्ञापन गहरे गुलाबी और पीले रंग वाले बैनर, पोस्टर और विज्ञापनों के रूप में लगाए गए। हालांकि इन विज्ञापनों में पार्टी का तिरंगे वाला लोगो कम ही नजर आया। साथ ही एजेंसी ने शुरुआती समय में हाथ का निशान भी गायब कर दिया। विज्ञापन में केवल गहलोत का चेहरा था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मुहिम के खिलाफ आवाज उठाई है। आख़िरकार उनकी तस्वीर विज्ञापन में आने लगी।''

एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा, ''ऐन वक्त पर इस एजेंसी ने सचिन पायलट, राहुल गांधी, सोनिया और प्रियंका गांधी के चेहरों को चुनाव प्रचार में उतारा, जब सभी सर्वेक्षणों ने संकेत दिया कि पार्टी सीटों की संख्या में 70 का आंकड़ा पार नहीं कर रही है।'' राजनीतिक विश्लेषक प्रकाश भंडारी ने कहा कि अशोक गहलोत के सीएम बनने की संभावना बहुत कम है। अगर वह सत्ता में नहीं आए तो उनके पास एक ही पद बचेगा, वो हैं 'विपक्ष के नेता' का। हालांकि आलाकमान यह पद सचिन पायलट या सीपी जोशी में से किसी एक को देगा।

पुष्कर में ब्रह्म चतुर्दशी पर संतों ने किया शाही स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले के तीर्थराज पुष्कर में आज ब्रह्म चतुर्दशी के मौके पर संतों-महन्तों ने पवित्र पुष्कर सरोवर के सप्त ऋषि घाट पर शाही स्नान किया ।

सेन शक्तिपीठ के सैनाचार्य अचलानंद महाराज के नेतृत्व में रविवार को देशभर से पुष्कर पहुंचे संत-महंतों ने शाही स्नान की सामूहिक परम्परा निभाई और मंगलकामनाएं की। स्नान के बाद सभी ने पवित्र सरोवर की पूजा की और अपने-अपने आश्रम .मंदिर.मठ लौट गये। कुछ ने ब्रह्माजी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद भी लिया। संत-महंतों पर पुष्कर वासियों की ओर से पुष्प वर्षा भी की गई।

इस दौरान व्यवस्थाएं माकूल रही । अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला पूरे परवान पर है। विदेश-देशी पर्यटकों का पहुंचना जारी है। राजस्थानी लोक वातावरण देखते ही बन रहा है। आनेवाले कल पंचतीर्थ धार्मिक स्नान के तहत कार्तिक पूर्णिमा का महास्नान ब्रह्म मुहूर्त में शुरू होगा, जो दिन भर चलेगा और सायं सरोवर पर महा आरती होगी।

पुष्कर मेला मैदान पर दिन में समापन समारोह आयोजित होगा, जिसमें पशुपालकों, विभिन्न प्रतियोगीता विजेताओं को पुरस्कार दिये जायेंगे।

इसी के साथ पुष्कर मेला विधिवत सम्पन्न हो जायेगा लेकिन मेले की रौनक अगले एकहफ्ते तक बनी रहेगी।

उदयपुर के मुस्लिम शिल्पकार ने राम मंदिर को बनाई सोने की स्वर्ण कलाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मन्दिर का निर्माण कार्य अपने अंतिम दौर में चल रहा है। जिसकी तारीख भी सामने आ गई, जब 22 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह रामलला की प्रतिमा विराजित की जाएगी। उदयपुर के मुस्लिम समुदाय के सोने से सूक्ष्म सामान बनाने वाले स्वर्ण शिल्पी इकबाल सक्का ने राम मंदिर के लिए सोने की स्वर्ण कलाएं बनाई हैं और उसे भेजने का निर्णय लिया है। इकबाल की ओर से तैयार शिल्पों में सोने की ईंट जिस पर राम लिखा हुआ है, श्रीराम जी की चरण पादुकाएं तथा एक घंटा भी शामिल है। जो महज 200 मिली ग्राम से तैयार की गई हैं।

इकबाल ने अयोध्या में बनने वाली मस्जिद के लिए भी सोने की ईद वजू के लिए जग और कुरान शरीफ तैयार किया है। जिनकी साइज 33 इंच है। इन्हें भी महज 200 मिली ग्राम सोने का उपयोग लेकर बनाया गया है। स्वर्ण शिल्पी इकबाल सक्का ने बताया कि उन्होंने इन दोनों कलाकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अवगत कराया है। साथ ही राम मंदिर और बाबरी मस्जिद के ट्रस्ट को भी पत्र लिखा है, उनका जवाब आते ही वह सूक्ष्म कलाकृतियां उनको भेंट करेंगे। उदयपुर के स्वर्ण इकबाल सक्का अब तक सौ से अधिक ऐसी सूक्ष्म स्वर्ण कृतियां बना चुके हैं, जिन्हें विश्व रिकार्ड की पुस्तक में जगह मिली हुई है।

दीया कुमारी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे सीताराम अग्रवाल ने कहा

पांच साल बाद ढंग से सो पाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चुनाव तक हर आदमी अपने आप को विनर मानकर चलता है और मानना चाहिए। लोकतंत्र में निर्णय जनता का होता है। मेरे विरोधी तो एक महीने चुनाव लड़े। जनता इस बात को समझती है कि कौन पांच साल से लड़ रहा है और कौन एक महीने से लड़ रहा हे।

जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं। चुनाव के लिए प्रचार में जुटे हुए प्रत्याशियों ने रिलेक्स महसूस किया है। ज्यादातर प्रत्याशी चुनाव के बाद सुबह देरी से उठे। विद्याधर नगर से कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल ने कहा कि रात को 3 बजे के करीब सोया था। आज रिलेक्स महसूस कर रहा हूं। रात को 9-10 बजे तक पोलिंग होती रही। विद्याधरनगर में इतिहास बना कि पहली बार इतनी रात तक कई बूथों पर मतदान चलता रहा। रात तक कार्यकर्ता बूथों का डाटा लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि 5 साल में पहली बार ऐसी नींद आई है। पिछले 13 दिन में तो आज ही ढंग से सो पाया हूं।

सीताराम अग्रवाल ने कहा कि चुनाव तक हर आदमी अपने आप को विनर मानकर चलता है और मानना चाहिए। लोकतंत्र में निर्णय जनता का होता है। मेरे विरोधी तो एक महीने चुनाव लड़े। जनता इस बात को समझती है कि कौन पांच साल से लड़ रहा है और कौन एक महीने से लड़ रहा हे। जनता ने अपना निर्णय मतपेटियों में बंद कर दिया है। में 150 प्रतिशत आश्वसत हूं कि में चुनाव जीत रहा हूं। में वो इंसान नहीं हूं, मैंने तन मन धन और कर्म से पांच साल परमात्मा को साक्षी मानकर सेवा की है। में मानवता के नाम पर काम करता हूं। मेरा एक नारा है नर सेवा ही नारायण सेवा है। गरीब के लिए सीताराम 24 घंटे तैयार मिलता है।

सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मैंने इन पांच सालों में खोया ही खोया है। पाया तो मैंने जनता का प्यार पाया है। मैंने अपना व्यापार खो दिया, मेरे पोते पौतियों से अटेचमेट खत्म हो गया। में घर पर इनको टाइम नहीं दे पाता था। सालभरबाद ये मेरे पास बैठ रहे हैं। में कहना चाहता हूं कि जो राजनीति में आते हैं उन्हें सेवा के मकसद से आना चाहिए। अग्रवाल ने राजा और रंक की लड़ाई पर कहा कि मेरी लड़ाई राजपरिवार से थी। अगर वो सिटी पैलेस में नहीं रहते तो में नहीं कहता। हमारे राजा कौन थे, कहां रहते थे। सिटी पैलेस से ही चलता था। आज हम पूर्व राजपरिवार कहते हैं। पूर्व राजपरिवार घराने की रानी को राजा नहीं कहूंगा तो क्या कहूंगा। में तो मेरी जगह पर सही था। वो चुनाव लड़ने यहां आई है। यहां से इनके विधायक हार रहे थे। इसके बाद ये ब्रह्मास्त्र लेकर आए। हम तो राजाओं को बहुत ज्यादा सम्मान देते हैं। जब जयपुर दरबार को ही इन्होंने मेरे सामने उतार दिया तो उसके बाद तो वसुंधरा जी ही बाकी बचती है। मेरी पार्टी का तो में आभारी हूं कि इतना बड़ा चेहरा आने के बाद भी इन्होंने मेरे पर आस्था व्यक्त करते हुए मुझे उतारा। उस समय एक चर्चा चल पड़ी थी कि शायद सीताराम अग्रवाल का टिकट कटेगा लेकिन सीएम, डोटासरा ने कहा कि हमारे बड़े चेहरे आप हो। आपने पांच साल सेवा की है।

सीताराम अग्रवाल ने कहा कि चुनाव से पहले मुझे सीएम ने बुलाकर कहा कि सीताराम तरीके से चुनाव लड़ना आप चुनाव जीत जाओगे। डोटासरा ने भी कहा कि आप चिंता मत करना आप चुनाव जीत जाओगे। मुझे लगता है कि जनता ने मुझे प्यार किया है। चुनाव बाद सीएम ने बात की ओर कहा कि आप ने वाकई चुनाव लड़ा है। आप चुनाव निकाल रहे हो। इस सीट पर पूरे राजस्थान की नजर थी। भगवान भला करे महारानी का कि पांच साल मीडिया ने मुझे संभाला नहीं में एक कौने में पड़ा था। इनकी वजह से मेरा चेहरा भी मीडिया में आया। सीएम ने भी यही कहा था कि ये लड़ाई राजा ओर रंक की है। कई लोग ऐसे मिले जिन्होंने कहा कि हम आपकी वजह से मतदान करने आए हैं। अग्रवाल ने कहा कि विद्याधर नगर में 92 बूथ हैं, लेकिन में कुछ बूथों पर ही जा पाया। उन्होंने कहा कि जनता ने मुझे इतना प्यार दिया कि सब जगह पहुंच ही नहीं पाया। में लोग मिले ओर में उन्हें छोड़कर निकल जाउं में ऐसा कर नहीं सकता। मेंने लोगों से इसके लिए माफी भी मांगी है।

लोगों को ये डर था कि यहां राजा नहीं जीत जाए, इसलिए लोग मतदान के लिए घरों से निकले। मेरा व्यवहार ऐसा कि मैं शादी में भी पहुंचता हूं तो मुझे 25 मिनट लगती है। टिकट देरी से मिलने को लेकर कहा कि टिकट तो मेरी पिछली बार चुनाव हारा था उस दिन ही फाइनल हो गई थी। टिकट देरी से जारी होने में कोई ओर कारण थे। उन्होंने कहा कि रानी ने एक बात कही कि कांग्रेस पार्टी के पास चेहरा नहीं है तो कह दे ओर मुझे निर्विरोध निर्वाचित जिता दे। कहा कि उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए। कांग्रेस बहुत बड़ी पार्टी है। कांग्रेस पार्टी के पास चेहरा भी है और चुनाव भी लड़ा है।

पूजा

रविवार को प्रतापगढ़ स्थित अति प्राचीन श्री गौतमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

देशी विदेशी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र बनी माइंस विभाग की स्टॉल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित आईआईटीएफ में राज्य खासतौर से भीलवाड़ा में माइंस विभाग द्वारा संचालित डीएमएफटी गतिविधियों को दर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। वहीं देशी विदेशी दर्शकों द्वारा प्रदेश की खनिज गतिविधियों की उत्सुकता से जानकारी ली जा रही है। विभाग द्वारा भारत सरकार के माइंस मंत्रालय के पेवेलियन में राजस्थान के भीलवाड़ा में डीएमएफटी में कराए गए कार्यों को डिसप्ले पैनल्स, ऑडियो विजुअल प्रजेन्टेशन व मॉडल्स के माध्यम से प्रमुखता के साथ प्रदर्शित किया गया है। केन्द्र सरकार के माइंस मंत्रालय के आग्रह पर राज्य के माइंस एवं जियोलोजी डिपार्टमेंट इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड़ फेयर में हिस्सा लिया गया है। आईआईटीएफ में राजस्थान के पेवेलियन का उद्घाटन एसीएस माइंस व इन्डस्ट्री श्रीमती वीनू गुप्ता ने 14 नवंबर को नई दिल्ली में किया था। राजस्थान पेवेलियन व माइंस विभाग का स्टॉल देशी विदेशी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

राज्य पेवेलियन प्रभारी माइंस विभाग भीलवाड़ा के खनिज अभियंता जिनेश हुमड़ ने बताया कि आईआईटीएफ में भीलवाड़ा सहित प्रदेश में जिला मिनरल फाउण्डेशन फण्ड के माध्यम से क्षेत्र में संचालित लोककल्याणकारी विकासात्मक गतिविधियों को आकर्षक पैनल्स के माध्यम से प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया गया है। केन्द्र सरकार के माइंस मंत्रालय की ज्वाइंट सेकेट्री वीणा कुमारी ने स्टाल का अवलोकन किया और खनिज क्षेत्र के लोगों के विकास के लिए डीएमएफटी फण्ड से कराये जा रहे कार्यों की सराहना की।

आशीर्वाद

बीकानेर में रविवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज का आशीर्वाद लेते राज्यपाल कलराज मिश्र।

चुनाव के नतीजों से पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मंदिर में पूजा अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को प्रतापगढ़ जिले के गोतमेश्वर महादेव मंदिर और बांसवाड़ा जिले के त्रिपुरा सुंदरी माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। राज्य विधानसभा की 200 में से 199 सीटों पर शनिवार को मतदान हुआ, जिसके परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई की दिग्गज नेता वसुंधरा राजे ने गौतमेश्वर पहुंचकर पूजा-अर्चना की, जहां से वह प्रसिद्ध त्रिपुर सुंदरी मंदिर गईं और मंदिर के गर्भगृह में देवी त्रिपुर सुंदरी की मूर्ति के सामने पूजा की।

राजे करीब 15 मिनट तक मंदिर में रहीं। राजे के साथ चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी और बांसवाड़ा व प्रतापगढ़ जिलों के पार्टी उम्मीदवार भी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। वसुंधरा राजे झालावाड़ जिले की झालरापाटन सीट से चुनाव मैदान में हैं।

विधानसभा चुनाव : राजस्थान में रिकॉर्ड 74.96 प्रतिशत मतदान

जयपुर। राजस्थान में शनिवार को विधानसभा चुनाव में लगभग 74.96 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने रविवार को मतदान के आंकड़ों की घोषणा करते हुए यह जानकारी दी। इस आंकड़े में मतदान केंद्रों पर 74.13 प्रतिशत मतदान और डाक मतपत्र और घरेलू मतदान के माध्यम से डाले गए 0.83 प्रतिशत वोट शामिल हैं। चुनाव अधिकारियों ने कहा, सबसे ज्यादा 87.79 फीसदी मतदान पोकरण में दर्ज किया गया, जबकि दूसरा सबसे ज्यादा मतदान तिजारा में 85.15 फीसदी मतदान हुआ। सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले दो स्थान मारवाड़ जंक्शन में 61.10 फीसदी और आहोर में 61.19 फीसदी मतदान हुआ।

बेणेश्वर धाम के महंत पर हमला

डूंगरपुर। बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद महाराज पर बीती रात जानलेवा हमला हुआ। महंत की कार पर अज्ञात लोगों ने हमला बोल दिया। कार पर पत्थरबाजी की गई। महंत कार में अपने परिवार के साथ थे। हमले के दौरान के मुंह में चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद महंत को अहमदाबाद रेफर किया गया है।

वागड़ के प्रमुख तीर्थ स्थल बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद महाराज शनिवार को अपने घर सरोदा गए थे। वहां से लौटने के लिए रात में ही महंत अच्युतानंद महाराज, उनकी पत्नी और बच्चे अपनी कार से निकले ही थे कि सरोदा के पास पुलिए पर अज्ञात लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। कार पर हुए अचानक हमले से पूरा परिवार सहम गया। कार पर में मौजूद लोगों ने बचने का प्रयास किया। इसी दौरान पत्थर कार का शीशा तोड़ते हुए महंत के जबड़े में जा लगा। पत्थर की चोट से महंत बुरी तरह से घायल हो गए।

पुलिस से मुठभेड़ के बाद तीन गोतस्कर गिरफ्तार

रामपुर (उप्र)/भाषा। रामपुर जिले की कोतवाली टांडा पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद तीन कथित पशु तस्करों के गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि मुठभेड़ में तीनों पशु तस्कर और एक उप निरीक्षक घायल हुआ है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग प्रतिबंधित पशुओं का वध करने की तैयारी में हैं और इसी सूचना के आधार पर टांडा पुलिस ने ईद की बगिया में छापा मारा था और देखा कि कुछ पशु बांधकर रखे गए हैं।

एसपी ने बताया कि पुलिस ने वहां मौजूद लोगों को आत्मसमर्पण करने को कहा तो गो तस्करों ने पुलिस पर गोलीबारी की और जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली तीन गो तस्करों के पैरों में लगी जिसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ में घायल हुए कथित पशु तस्करों की पहचान अलीम कुरैशी, अजीम कुरैशी और फहीम कुरैशी के रूप में हुई है और इन तीनों के खिलाफ रामपुर में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

केंद्र की मौजूदा सरकार इतिहास को पूरी तरह बदलने पर तुली है : तेजस्वी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को केंद्र में सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर नफरत की राजनीति करने और समाज में जहर घोलने तथा इतिहास को पूरी तरह बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मुख्यालय में 'संविधान दिवस' के अवसर पर 'भारत छोड़ो आन्दोलन' एवं 'साइमन कमीशन वापस जाओ' का नारा देने वाले क्रांतिकारी नेता युसूफ मेहर अली के सम्मान में आयोजित एक परिचर्चा के दौरान यादव ने आरोप लगाया, ''आज देश में नफरत की राजनीति की जा रही है। समाज में जहर घोलने का काम किया जा रहा है ।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे में लोगों को हकीकत के बारे में पता होना चाहिए कि आजादी की लड़ाई के दौरान युसूफ खान अली साहब और उनके समुदाय से आने वाले अन्य लोगों की भी कितनी बड़ी भूमिका रही थी।'' यादव ने कहा, ''आजकल, हालांकि, कोई इसके बारे में बात नहीं करता है। इस समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। देश की आजादी में उनके योगदान को छुपाया जा रहा है और केंद्र की मौजूदा सरकार इतिहास को पूरी तरह बदलने पर तुली है।''

पेरिस पैरालम्पिक के लिये सोनीपत में ही करना चाहता हूं तैयारी : सुमित अंतिल

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस को अपने लिये 'लकी' मानने वाले विश्व रिकॉर्डधारी पैरालम्पिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि अगले साल वहां होने वाले पैरालम्पिक खेलों की तैयारी वह विदेश में नहीं बल्कि अपने शहर सोनीपत में ही करना चाहते हैं। पेरिस के मौसम और माहौल में अनुकूलन के लिये जहां अधिकांश खिलाड़ी यूरोपीय देशों में अभ्यास पर जोर दे रहे हैं , वहीं कई बार विश्व रिकॉर्ड बना चुके सुमित को इसकी जरूरत महसूस नहीं होती । उन्होंने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि यूरोप में अभ्यास जरूरी है । पेरिस मेरे लिये वैसे भी लकी रहा है जहां 2018 से मैं खेल रहा हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता आया हूं । अब तक वहां तीन चार खेल चुका हूं और मुझे अनुकूलन की दिक्कत नहीं आई ।'' खेलरत्न पुरस्कार प्राप्त इस खिलाड़ी ने कहा ,'' बहुत ठंड या बहुत गर्मी में परेशानी होती है लेकिन पैरालम्पिक अगस्त में हैं और उस समय पर मैं पेरिस में खेल चुका हूं । मैने इस साल जुलाई में 70.83 का विश्व रिकार्ड पेरिस में विश्व चैम्पियनशिप में बनाया था ।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान दिवस पर उच्चतम न्यायालय में आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को संविधान दिवस के अवसर पर उच्चतम न्यायालय परिसर में डॉ. बी आर आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सात फुट से अधिक ऊंची प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारतीय संविधान के निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ द्वारा पौधारोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में शीर्ष अदालत के कई न्यायाधीश उपस्थित थे।

संविधान सभा द्वारा साल 1949 में भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने के उपलक्ष्य में 2015 से 26 नवंबर के दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले, इस दिन को कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था।

गोरखा नेता बिनय तमांग कांग्रेस में हुए शामिल

कोलकाता/भाषा। गोरखा नेता बिनय तमांग रविवार को कलिम्पोंग में कांग्रेस में शामिल हो गए। तमांग पहले तृणमूल कांग्रेस में थे। यह जानकारी पार्टी के एक नेता ने दी। पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र पर शासन करने वाले अर्ध-स्वायत्त गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन के पूर्व अध्यक्ष तमांग ने पर्वतीय शहर में कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी से कांग्रेस पार्टी का झंडा स्वीकार किया।

तमांग गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के नेता बिमल गुरुंग के करीबी सहयोगी थे, लेकिन बाद में उनसे अलग होने के बाद पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे।

वर्ष 2019 में, तमांग ने जीटीए के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और टीएमसी के समर्थन से एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा उपचुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। बाद में, 2021 में, वह टीएमसी में शामिल हो गए थे, लेकिन एक साल के भीतर ही उन्होंने पार्टी छोड़ दी।

अटकलें लगाई जा रही हैं कि तमांग को अगले लोकसभा चुनाव में दार्जिलिंग लोकसभा सीट से कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

संविधान पर भाजपा-आरएसएस का 'व्यवस्थित', 'तीक्ष्ण' हमला नजर आ रहा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता को कुचलने और इसमें कटौती करने का हर संभव तरीका अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान, उसके लोकाचार और उसके मूल्यों पर होने वाले हमले पर सवाल उठाना चाहिए। खरगे ने संविधान दिवस पर यह टिप्पणी की। भारत ने 1949 को आज ही के दिन संविधान को अंगीकार किया था।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है।'' उन्होंने कहा, ''जब हम 74वां संविधान दिवस मना रहे हैं, तो ऐसे में हम इसके निर्माताओं को अत्यंत श्रद्धा से नमन करते हैं - क्योंकि उन्होंने प्रत्येक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी।'' खरगे ने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन संविधान प्रदत्त सभी स्वतंत्रताओं को कुचलने और कम करने के लिए हर संभव तरीका इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा संविधान पर किया जा रहा ''व्यवस्थित और तीक्ष्ण हमला'' सरकारी तंत्र में हर कहीं ''बड़े पैमाने पर दुरुपयोग'' में दिखाई देता है।

खरगे ने कहा, ''एक राष्ट्र के रूप में हम जल्द ही उस चरम बिंदु पर पहुंच सकते हैं जहां सामाजिक न्याय और सद्भाव समाप्त हो जाएगा और कमजोर वर्गों के अधिकार धीरे-धीरे छीन लिए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह विभाजन और नफरत की इस राजनीति के खिलाफ खड़े होने का समय है। कांग्रेस इस लड़ाई को आगे बढ़कर लड़ रही है।'' खरगे ने कहा, ''प्रत्येक नागरिक को हमारे संविधान, उसके लोकाचार और उसके मूल्यों पर हमले पर सवाल उठाना चाहिए।''

कुश्ती में ओलंपिक के लिए नई चयन नीति के अपने फायदे और नुकसान है: योगेश्वर

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अनुभवी पहलवान योगेश्वर दत्त ने भारतीय ओलंपिक समिति (आईओए) द्वारा कुश्ती के लिये गठित तदर्थ पैनल की पेरिस ओलंपिक के लिए नई चयन नीति की प्रशंसा या आलोचना करने से बचते हुए कहा कि इसके अपने फायदे और नुकसान है। नई नीति के मुताबिक पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय कुश्ती दल को दो चरण वाली चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा जिसमें कोटा स्थान अर्जित करने वाले पहलवान को जून में चैलेंजर से भिड़ना होगा। इस मुकाबले के विजेता को चार साल में होने वाले खेल आयोजन में देश के प्रतिनिधित्व का मौका मिलेगा।

योगेश्वर ने कहा कि चयन नीति तय करना देश में खेल चलाने वाले अधिकारियों का विशेषाधिकार है। योगेश्वर ने 10 से 17 दिसंबर तक यहां होने वाले खेलो इंडिया पैरा खेलों के शुभंकर और प्रतीक चिन्ह के लॉन्च के मौके पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' पहले ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले पहलवान को ही देश के प्रतिनिधित्व का मौका मिलता था लेकिन नई चयन नीति के अनुसार ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली अंतिम (पंघाल) का भी पेरिस जाना भी सुनिश्चित नहीं है। उसे इसके लिए ट्रायल से गुजरना होगा।''

पैरा खेलों को लेकर सोच बदली सरकार ने, खेलो इंडिया में शामिल होने से जुड़ेगा नया अध्याय: ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पैरा खेलों में पिछले कुछ वर्षों में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि मोदी सरकार ने पैरा खिलाड़ियों को लेकर सोच बदली है और अब खेलो इंडिया के जरिये पैरा खेलों के नये दौर का सूत्रपात होगा ।

ठाकुर ने 10 से 17 दिसंबर तक दिल्ली में होने वाले पहले खेलो इंडिया पैरा खेलों के लोगो, शुभंकर , थीम गीत और जर्सी के लांच के मौके पर कहा ,'' रियो पैरालम्पिक 2016 में हमारे 19 पैरा एथलीटों ने भाग लिया था और तोक्यो पैरालम्पिक 2021 में हमारे पैरा खिलाड़ियों ने 19 पदक जीतकर इतिहास रचा । इसके बाद हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 111 पदक जीते ।'' उन्होंने कहा ,'' ये आंकड़े बदली हुई सोच की बानगी देते हैं । सोच बदलने का काम मोदी सरकार ने किया जिसने विकलांग को दिव्यांग या विशेष रूप से सक्षम कहा । सरकार ने पुरस्कारों और योजनाओं में पैरा खिलाड़ियों और सक्षम खिलाड़ियों में कोई फर्क नहीं किया ।'' ठाकुर ने कहा ,'' खेलो इंडिया में पैरा खेलों की कमी महसूस हो रही थी जो अब पूरी हो जायेगी । खेलो इंडिया खेल नहीं बल्कि अब एक जन आंदोलन बन गए हैं । पिछले पांच साल में 11 खेलो इंडिया खेलों का आयोजन हो चुका है । पहले खेलो इंडिया पैरा खेल महज प्रतिस्पर्धा नहीं होंगे बल्कि इन खिलाड़ियों के हौसले और खेलभावना का जश्न साबित होंगे ।'' दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम, कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले पहले खेलो इंडिया पैरा खेलों में 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 1400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे । पहले वर्ष में पैरा एथलेटिक्स, निशानेबाजी, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और भारोत्तोलन की स्पर्धायें आयोजित की जायेगी । इन खेलों का लोगो 'हौसलों की उड़ान ' और 'चैम्पियंस बियोंड लिमिट ' रखा गया है जबकि गोरैया उज्वला इसकी शुभंकर होगी । इसका थीम गीत ' हिम्मत दिखा, ताकत दिखा, कभी रूक मत , कभी झुक मत , चल खेल ' भी आज लांच किया गया ।

संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिये भाजपा को हराना जरूरी : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर देहात (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को 'संविधान दिवस' के अवसर पर कहा कि देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना जरूरी है।

यादव ने माती में आयोजित 'संविधान बचाओ महारैली' को सम्बोधित करते हुए कहा, 'आज का दिन ऐतिहासिक है। यह दिन हमें बताता है कि अगर लोकतंत्र जिन्दा रहेगा और संविधान बचा रहेगा तो हमें जो वोट का अधिकार मिला हुआ है उसके माध्यम से हम सरकारों से अपना अधिकार ले सकते हैं। उन्होंने दावा किया, भाजपा के लोग कानून और संविधान को नहीं मानते हैं। संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा को हराना जरूरी है। भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।' इस रैली का आयोजन कानपुर देहात अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद राजाराम पाल ने किया था।

यादव ने दावा किया, देश में संविधान बचाने के लिए समाजवादी लोग सबसे ज्यादा संघर्ष करने और जोखिम उठाने का काम कर रहे हैं। आज हम सभी लोग संविधान बचाने का संकल्प ले रहे हैं। साथ ही हम संविधान देने वाले और जीने का अधिकार दिलाने वाले महान नेताओं बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर, राममनोहर लोहिया और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को याद कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने क्रिकेट विश्वकप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की पराजय का जिक्र करते हुए दावा किया कि अगर यह मुकाबला कानपुर के ग्रीनपार्क या लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होता तो भारत की जीत होती। उन्होंने दावा किया कि भाजपा हजारों करोड़ रुपये खर्च कर दूसरों की छवि खराब करती थी लेकिन विश्वकप में भारत की हार के बाद जनता ने खुद बता दिया कि भाजपा के लोग क्या हैं। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, भाजपा सरकार में लूट और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा के लोग बड़े-बड़े भ्रष्टाचार में शामिल हैं। प्रदेश में भाजपा के लोग सबसे बड़े भूमाफिया हैं। पूरे प्रदेश में जमीनों की हेराफेरी में सबसे ज्यादा भाजपा के लोग शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, इस पार्टी की सरकार में नौकरियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर हो रही है। पिछड़ों, दलितों को आरक्षण नहीं मिल रहा है। भाजपा पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) का हक छीन रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पीडीए ही भाजपा के राजग को हरायेगा। यादव ने कहा कि भाजपा ने अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है।

'इंफाल घाटी के उग्रवादी समूह के साथ शांति वार्ता कर रही है मणिपुर सरकार'

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि उनकी सरकार इंफाल घाटी के एक उग्रवादी समूह के साथ 'शांति वार्ता' कर रही है। सिंह ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा कि वार्ता काफी आगे के चरण में है हालांकि उन्होंने संगठन का नाम नहीं लिया। राज्य में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह पहली बार है जब सरकार की ओर से इस तरह की वार्ता को लेकर आधिकारिक पुष्टि की गई है।

सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि सरकार प्रतिबंधित संगठन 'यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट' (यूएनएलएफ) के एक धड़े के साथ वार्ता कर रही है। एसटी का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के बाद भड़की हिंसा में अब तक 180 लोग मारे जा चुके हैं।

सीमा पर सुरक्षाबल रहें सतर्क : परनाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के टी परनाइक (सेवानिवृत्त) ने सुरक्षाबलों से सतर्क रहने और संवेदनशील सीमाओं की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों की वीरतापूर्ण परंपराओं को बनाए रखने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने पूर्वोत्तर राज्य के अंजाव जिले में वालोंग के अपने दौरे पर भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और राज्य पुलिस के कर्मियों के साथ संवाद करते हुए शनिवार को कहा कि राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमा राष्ट्र की सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

राजभवन की ओर से यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि परनाइक ने सुरक्षाबलों के साथ सीमा प्रबंधन से जुड़े अहम बिंदुओं को साझा किया और उन्हें शारीरिक फिटनेस एवं पर्याप्त मानसिक सतर्कता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीमा को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक आधुनिक सुरक्षा प्रारूप और कदमों पर भी कर्मियों के साथ बातचीत की।

राज्यपाल ने सुरक्षाबलों को सतर्क रहने और लोगों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने की सलाह दी। उन्होंने स्थानीय आबादी में सैन्यकर्मियों को लेकर सद्भावना बढ़ाने पर भी जोर दिया।

शमी ने सड़क हादसे का शिकार व्यक्ति की मदद की

देहरादून/भाषा। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने उत्तराखंड के नैनीताल में सड़क हादसे का शिकार हुए एक व्यक्ति को कार से निकालकर प्राथमिक उपचार दिया। खिलाड़ी के आगे चल रही कार सड़क से फिसलकर नीचे खाई में गिर गई थी। इस हादसे में व्यक्ति की जान बाल-बाल बच गई क्योंकि कार ढलान से कुछ मीटर नीचे गिरने के बाद एक पेड़ के सहारे अटक गई। क्रिकेट विश्वकप के समापन के बाद छुट्टियां मना रहे शमी शनिवार को नैनीताल में थे। उन्होंने अपने आगे चल रही कार को ढलान से नीचे गिरते हुए देखा तो तुरंत अपनी कार रोकी और कार सवार को बचाने के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने व्यक्ति को कार से बाहर निकाला और उसे प्राथमिक उपचार दिया। शमी ने हादसे के बारे में 'इंस्टाग्राम' पर वीडियो साझा करते हुए लिखा,'किसी को बचाकर प्रसन्न हूं। वह बहुत किस्मत वाला है और ईश्वर ने उसे दूसरा जीवन दिया है। उसकी कार नैनीताल में मेरी कार के आगे थी और पहाड़ी रास्ते से नीचे गिर गई थी। हमने सावधानी से उसे कार से बाहर निकाला।'

शमी के कार्य को 'इंस्टाग्राम' पर लोगों ने खूब सराहा।

रश्मिका ने जील देसाई को हराकर पहला आईटीएफ खिताब जीता

बेंगलूरु/भाषा। मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन रश्मिका भामीदिपति ने रविवार को यहां महिला विश्व टेनिस टूर के फाइनल में जील देसाई को हराकर पहला आईटीएफ खिताब अपने नाम किया।

भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में रश्मिका ने 6-0, 4-6, 6-3 की जीत से 3935 डॉलर की पुरस्कार राशि और 50 डब्ल्यूटीए अंक अपनी झोली में डाले। जील देसाई को 2107 डॉलर की राशि और 30 डब्ल्यूटीए अंक हासिल हुए। रश्मिका ने देसाई की गलतियों का फायदा

उठाते हुए पहला सेट आसानी से 6-0 से जीत लिया। लेकिन देसाई ने वापसी करते हुए दूसरे सेट के पहले गेम में प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ दी। पर रश्मिका भी आसानी से पीछे नहीं हटने वाली थीं, उन्होंने चौथे और पांचवें गेम में सर्विस रखते हुए 3-2 से बढ़त बना ली।

देसाई ने फिर वापसी करते हुए लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-4 से हासिल किया। निर्णायक सेट में देसाई 0-3 से पिछड़ रही थीं, उन्हें हवा भरे हालात में अपनी सर्विस से परेशानी हो रही थी। रश्मिका ने अपने फोरहैंड का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शानदार क्रास कोर्ट शॉट खेले जिनका देसाई के पास कोई जवाब नहीं था।

मुंबई इंडियंस ने स्वर्णिम करार हासिल किया: अश्विन ने हार्दिक पंड्या की संभावित वापसी पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि अगर हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटंस से मुंबई इंडियंस में शामिल होने की चर्चा में कोई सच्चाई है, तो यह पांच बार के आईपीएल चैंपियन के लिए सोने के तमगे की तरह है।

आईपीएल की 'ट्रेडिंग विंडो' (खिलाड़ियों का आदान-प्रदान) रविवार को समाप्त होगी। कई रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि पंड्या गुजरात टाइटंस को छोड़ कर अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियन्स में लौट सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक मुंबई की फ्रेंचाइजी इस 30 वर्षीय खिलाड़ी के लिए 15 करोड़ रुपये से अधिक की रकम खर्च करने के लिए तैयार है। अश्विन ने इंस्टाग्राम पर जारी वीडियो में कहा, '' अगर यह सच है तो मुंबई ने कमाल के खिलाड़ी को हासिल किया है। मैंने जो पढ़ा है उसके मुताबिक यह कैश डील (नगद करार) है तो ऐसे में मुंबई अपना कोई भी खिलाड़ी गुजरात को नहीं दे रहा है।''

अश्विन ने कहा, ''मुंबई इंडियंस ने कभी भी खिलाड़ियों का ट्रेड नहीं किया है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हुआ है। लेकिन, अगर हार्दिक वापस जाता है तो मुंबई की टीम कैसी दिखेगी? वह मुंबई के बड़े खिलाड़ी हैं और उसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें तैयार किया है। आईपीएल में ऐसा तीन बार हुआ है जब एक कप्तान को ट्रेड किया गया है। पहला मैं, दूसरा अजिंक्य रहाणे और अब हार्दिक पंड्या।'' पंड्या ने आईपीएल करियर का आगाज मुंबई की टीम के साथ 2015 में किया था। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ 2021 तक रहे। उन्हें 2022 के सत्र से पहले 'रिलीज' कर दिया गया था। गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद हार्दिक ने आईपीएल की इस नई टीम को लगातार दो बार इस टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया। इनमें अपने पदार्पण सत्र में गुजरात की टीम ने खिताब भी जीता था। अश्विन ने कहा, '' हमारे और हार्दिक के बीच एकमात्र अंतर यह है कि वह आईपीएल विजेता कप्तान है। उनके जाने से गुजरात टाइटंस का संतुलन बदल जायेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या एक और पंड्या हो सकता है.. माफ कीजिएगा । लेकिन, मुंबई को अब क्या करने की ज़रूरत है क्योंकि पंड्या 15 करोड़ के खिलाड़ी हैं, उन्हें इस खिलाड़ी को टीम में सुनिश्चित करने के लिए पर्स (कोष) खाली करना होगा।''

सुविचार

मजाक किसी के ज़िंदगी में हो तो ही ठीक है, किसी की ज़िंदगी से नहीं होना चाहिए, ज़िन्दगी एक सफ़र है,अच्छी सोच लेकर चलो मंज़िल जरूर मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनूठी सजा

दिव्यांगजन संबंधी मामलों के विभाग ने सेवा पुस्तिका में एक कर्मचारी का नाम सामान्य के बजाय दिव्यांग की श्रेणी में शामिल करने में चार साल की देरी के लिए जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों को जो 'अनूठी' सज़ा दी है, उस पर अन्य विभागों को भी गौर करना चाहिए। उक्त विभाग ने जिम्मेदार अधिकारियों को पांच दिनों तक दिव्यांग छात्रों की सेवा करने का आदेश दिया है। वास्तव में यह सज़ा नहीं, बल्कि 'सेवा के माध्यम से सुधार' का तरीका है। दिव्यांगजन संबंधी विभाग के मुख्य आयुक्त राजेश अग्रवाल ने शिकायतकर्ता कर्मचारी की श्रेणी को सामान्य से दिव्यांग में बदलने में सरकार के स्वामित्व वाली महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) की ओर से इस देरी पर कड़ी नाराजगी भी जताई, जो कि स्वाभाविक है। अगर किसी कार्य में एक-दो हफ्तों की देरी हो जाए तो उसके पीछे जो कारण गिनाए जाते हैं, उन पर कुछ विश्वास किया जा सकता है, लेकिन सिर्फ श्रेणी बदलने में चार साल लग गए! यह कैसी लापरवाही है? इसके पीछे न तो व्यस्तता का बहाना बनाया जा सकता है, न समय के अभाव का हवाला दिया जा सकता है। सालों-साल टाल-मटोल करने वाले ऐसे अधिकारी जब दिव्यांग बच्चों की सेवा करेंगे तो शायद उन्हें उनकी पीड़ा का कुछ बोध हो जाए। मुख्य आयुक्त ने एमटीएनएल को कार्य में इस देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान करने और उन्हें 'अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट' भेजने का निर्देश दे दिया है। अब जरूरत इस बात की है कि आदेश पर तुरंत अमल हो। कहीं ऐसा न हो कि इसमें भी कई साल लग जाएं।

महात्मा गांधी अपने आश्रम में ख़ुद झाड़ू लगाते थे। उन्होंने कई स्थानों पर सेवा और स्वच्छता का कार्य किया था। उनके साथ ऐसे लोग भी झाड़ू लगाते दिखाई देते थे, जिनके महलों-बंगलों में हर काम के लिए सहायक मौजूद थे। गांधीजी उनसे सेवाकार्य क्यों करवाते थे? इसलिए, क्योंकि सेवा करने से इन्सान का गुरूर घटता है, अहंकार मिटता है। हमें बापू के अनुभवों से लाभ लेना चाहिए। चूंकि अब लोकसभा चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। प्राय: चुनावी मौसम में कई नेता, कार्यकर्ता और आम लोग भी शब्दों की मर्यादा भूल जाते हैं, वे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक बातें पोस्ट कर देते हैं। विशेष रूप से सांप्रदायिक मामलों पर ऐसी टिप्पणियों की भरमार देखने को मिलती है। कुछ लोग तो नफरत की इतनी आग उगलते हैं, जिन्हें देखकर कोई भी विवेकशील मनुष्य चिंता में डूब सकता है ... ऐसे लोग देश को कैसा भविष्य देंगे? जब मामला ज्यादा ही तूल पकड़ लेता है तो उनकी गिरफ्तारी होती है, वे जेल जाते हैं, लेकिन उनमें ज्यादा सुधार नहीं आता। प्राय: जेल से लौटने के बाद वे और ज्यादा 'बेखौफ' हो जाते हैं। ऐसी प्रवृत्ति के मूल में 'अहंकार' है। जेल या जुर्माने से अहंकार नहीं टूटता। इसका इलाज 'सेवा' में निहित है। चुनावी माहौल में कोई भी नेता, कार्यकर्ता या आम व्यक्ति किसी धर्म के लिए अमर्यादित और अशोभनीय शब्द बोले तो उससे सज़ा के तौर पर उस (धर्म) के प्रार्थना स्थल में सेवा कराने, स्वच्छता के कार्यों में हाथ बंटाने, श्रद्धालुओं का स्वागत करने, पानी पिलाने, पौधे लगाने और ऐसे अन्य सेवाकार्य करवाए जाएं। इन सबकी वीडियोग्राफी हो। रोज़ाना सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली जाएं। आख़िर में वह व्यक्ति वीडियो के जरिए इस सेवायात्रा के बारे में बताए और सर्वधर्म के प्रति आदरभाव के लिए अच्छा संदेश दे। इस अवधि में उसका आचरण कैसा रहा, इसका प्रमाणपत्र वह प्रबंधन समिति जारी करे। किसी भी धर्म पर ओछी और अभद्र टीका-टिप्पणी करने वालों को ऐसी सज़ा देनी शुरू करें, तो उम्मीद है कि वे वाणी पर संयम बरतेंगे और सार्वजनिक रूप से जो कुछ भी बोलेंगे, सोच-समझकर बोलेंगे।

ट्वीटर टॉक

स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को लेकर लोगों की सोच बदल दी है। ये पहल आज राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बन चुकी है, जिसने करोड़ों देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाया है। इस अभियान ने अलग-अलग क्षेत्र के लोगों की सामूहिक भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया है।

-नरेन्द्र मोदी

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाले ग्रन्थ को समर्पित 'संविधान दिवस' की समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं। संविधान में हमारे जीवन, मूल्य, व्यवहार एवं परंपरा का समावेश है और इसकी मजबूती के कारण ही हम 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' की ओर अग्रसर हैं।

-कलराज मिश्र

स्वच्छ भारत अभियान ने साफ-सफाई और सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर लोगों की सोच बदल दी है। ये पहल आज राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बन चुकी है, जिसने करोड़ों देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

त्याग में आनंद

संत शिरोमणि रैदास के पास उनका एक प्रेमी जमींदार वेश बदलकर जूते बनवाने गया। जूते बनवाकर उसने उनको सौ गुना कीमत अदा करनी चाही लेकिन रैदास ने केवल वाजिब दाम लेकर सब वापस कर दिया यह कहते हुए कि आपके संस्कार जमा करने के हैं, मगर मुझे तो त्याग में जो आनंद रस मिलता है, उसको मैं अभिव्यक्त ही नहीं कर सकता। उनकी इसी संतोषी प्रवृत्ति तथा मधुर व्यवहार के कारण उनके सम्पर्क में आने वाले लोग बहुत प्रसन्न रहते थे।

रैदास ने साधु-सन्तों की संगति से पर्याप्त व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया था। जूते बनाने का काम उनका पैतृक व्यवसाय था और उन्होंने इसे सहर्ष अपनाया। वे अपना काम पूरी लगन तथा परिश्रम से करते थे और समय से काम को पूरा करने पर बहुत ध्यान देते थे। प्रारम्भ से ही रैदास बहुत परोपकारी तथा दयालु थे और दूसरों की सहायता करना उनका स्वभाव बन गया था। साधु-सन्तों की सहायता करने में उनको विशेष आनन्द मिलता था। वे उन्हें प्राय: मूल्य लिये बिना जूते भेंट कर दिया करते।

सामयिक

डीपफेक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित एक बड़ा खतरा

राजकुमार जैन

मोबाइल : 9826051911

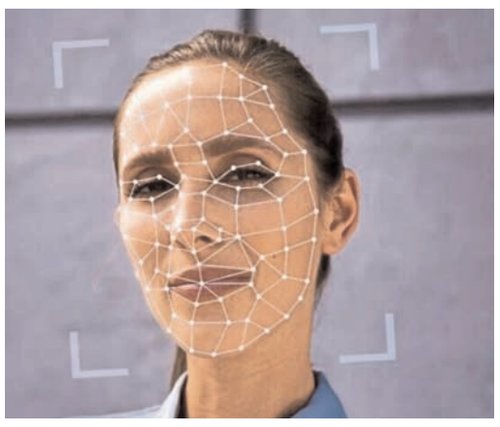

आज तकनीक और इंटरनेट की मदद से जो कुछ भी हम पढ़ रहे हैं, सुन रहे हैं या देख रहे हैं उसका सौ फ़ीसदी सच होना ज़रूरी नहीं है। जिस प्रकार कई बार झूठी ख़बर बनाकर या ख़बरों को भ्रामक तरीक़े से लोगों के सामने इंटरनेट की मदद से परोसा जाता है, वैसे ही वीडियो भी पहुंचाए जाते हैं। इसे डीपफेक कहते हैं, जिसमें असल और नक़ल की पहचान करना बेहद मुश्किल होता है। डीपफेक का उपयोग करके मीडिया कंटेन्ट जैसे तस्वीर, ऑडियो व वीडियो की परिवर्तित कॉपी तैयार की जाती है, जो वास्तविक कंटेन्ट की तरह ही दिखता है।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की पोती 11 वर्षीय आराध्या के स्वास्थ्य के बारे में झूठी खबर, मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री अजय विश्नोई के बारे में झूठी खबर, पोप का झूठा चित्र, या ओबामा और ट्रम्प के झूठे साबित हुए वीडियो और हालिया जारी हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डांडिया करते हुए वीडियो। ये सब तो एक झलक मात्र हैं कृत्रिम बुद्धिमता की बढ़ती हुई शक्ति के। भविष्य में हम इस तकनीक के दुरुपयोग के और भी मामले देखेंगे। ऐसा नहीं है कि पहले फेक या मॉर्फ वीडियो नहीं बनते थे, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से ऐसे वीडियो तैयार किए जा रहे हैं जो मॉर्फ वीडियो का बेहद उन्नत रूप है। पहले के मुकाबले ऐसे वीडियो को बनाना अब आसान है। ये कहीं अधिक वास्तविक और विश्वसनीय प्रतीत होते हैं। डीपफेक सच को झूठ दिखा सकता है और झूठ को सच। कृत्रिम मेधा (ए आई) और एक शक्तिशाली कंप्यूटर प्रणाली का उपयोग करके डिजिटल मीडिया, वीडियो, ऑडियो, छवियों, लेखों आदि को संपादित करने और निहितार्थ में मनचाहा फेरबदल कर प्रस्तुत करने की कला विधी का नाम डीपफेक है। यह मूल रूप से अति-यथार्थवादी डिजिटल मिथ्याकरण है। इसका उपयोग फर्जी खबरें उत्पन्न करने और अन्य अवैध कामों जैसे वित्तीय धोखाधड़ी करने के लिये किया जाता है। पहले से उपलब्ध सच्चे वीडियो, चित्र या ऑडियो में बदलाव कर उनके भ्रामक या झूठे वर्शन तैयार करना अब पुराने जमाने की बात हो गई है। कृत्रिम बुद्धि आधारित गहन प्रशिक्षण प्राप्त मॉडल बगैर किसी पुरानी सामग्री के अब आपके चाहे अनुसार एकदम नवीन नकली लेख, चित्र, संगीत, आडियो या वीडियो का निर्माण करने में सक्षम है।

डीपफेक द्वारा उत्पन्न सबसे बड़ा खतरा झूठी जानकारी फैलाने की उनकी क्षमता है जो विश्वसनीय स्रोतों से आती है। उदाहरण के लिए, 2022 में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की द्वारा अपने सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहने का एक विस्तृत वीडियो जारी किया गया था। जैसे-जैसे कृत्रिम मीडिया प्रौद्योगिकी की पहुँच में वृद्धि होती है, वैसे-वैसे शोषण का जोखिम भी बढ़ता है। डीपफेक का इस्तेमाल प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने, सबूत गढ़ने, जनता को धोखा देने तथा लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास कम करने के लिए किया जा सकता है। यह सब कुछ अल्प संसाधनों के साथ, स्तर एवं गति के साथ प्राप्त किया जा सकता है एवं यहां तक कि समर्थन को प्रेरित करने के लिए सूक्ष्म-लक्षित भी किया जा सकता है।

आसान भाषा में समझें तो तकनीक के जरिए इंसान को धोखा देना ही डीप फेक टेक्नोलॉजी है. इस तकनीक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किया जाता है। यह तकनीक दो चीजों से मिलकर बनी है। पहली डीप लर्निंग और दूसरी फेक यानी फर्जी। इसकी मदद से तैयार फर्जी वीडियो का एल्गोरिदम इतना सटीक होता है कि यह फर्क कर पाना मुश्किल हो जाता है कि वीडियो में दिखाई दे रहा शख्स असली है या नकली और उसमें सुनाई पड़ा रही आवाज वाकई में उसने दी है या किसी और ने।

नकली सामग्री बनाने और परिष्कृत करने के लिए डीपफेक दो एल्गोरिदम का उपयोग करता है - एक जनरेटर और एक भेदभावकर्ता। जनरेटर वांछित आउटपुट के आधार पर एक प्रशिक्षण डेटा सेट बनाता है, प्रारंभिक नकली डिजिटल सामग्री बनाता है, जबकि भेदभावकर्ता विश्लेषण करता है कि सामग्री का प्रारंभिक संस्करण कितना यथार्थवादी या नकली है। इस प्रक्रिया को दोहराया जाता है, जिससे जनरेटर को यथार्थवादी सामग्री बनाने में सुधार करने की अनुमति मिलती है और भेदभावकर्ता को जनरेटर को सही करने के लिए खामियों को दूर करने में अधिक कुशल बनने की अनुमति मिलती है।

जनरेटर और भेदभावपूर्ण एल्गोरिदम का संयोजन एक जनरेटिव प्रतिकूल नेटवर्क बनाता है। एक जीएएन वास्तविक छवियों में पैटर्न को पहचानने के लिए गहरी शिक्षा का उपयोग करता है और फिर नकली बनाने के लिए उन पैटर्न का उपयोग करता है। एक डीपफेक तस्वीर बनाते समय, एक जीएएन प्रणाली सभी विवरणों और दृष्टिकोणों को पकड़ने के लिए कोणों की एक सरणी से लक्ष्य की तस्वीरों को देखती है। एक डीपफेक वीडियो बनाते समय, जीएएन विभिन्न कोणों से वीडियो को देखता है और व्यवहार, आंदोलन और भाषण पैटर्न का भी विश्लेषण करता है। इस जानकारी को अंतिम छवि या वीडियो के यथार्थवाद को ठीक करने के लिए कई बार भेदभावकर्ता के माध्यम से चलाया जाता है।

किसी भी तकनीक का इस्तेमाल सही हो रहा है या ग़लत, यह हम पर निर्भर करता है। वैसे तो तकनीक मनुष्य की मदद करने और सहूलियत देने के लिए है, लेकिन कुछ मामलों में इसका ग़लत इस्तेमाल भी किया जाता है। जैसे अश्लील चलचित्र (पोर्नोग्राफी): डीपफेक के दुर्भावनापूर्ण उपयोग का पहला मामला अश्लील साहित्य अथवा पोर्नोग्राफी के रूप में सामने आया था। एक अध्ययन के अनुसार, 96 प्रतिशत डीपफेक अश्लील वीडियो हैं। डीपफेक अश्लील कंटेन्ट विशेष रूप से महिलाओं को लक्षित करती है। अश्लील डीपफेक बनाने वाले अपने लक्ष्य को धमकी दे सकते हैं, भयभीत कर सकते हैं एवं मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंचा सकते हैं। यह महिलाओं को यौन वस्तुओं के रूप में संकुचित कर भावनात्मक संकट उत्पन्न करता है तथा कुछ मामलों में, वित्तीय हानि तथा नौकरी छूटने जैसे संपार्श्विक परिणामों का कारण बनता है।

डीपफेक एक व्यक्ति को असामाजिक व्यवहारों में लिप्त होने एवं ऐसी घटिया बातें कहने वाले व्यक्ति के रूप में चित्रित कर सकता है जो उसने कभी नहीं की। डीपफेक दीर्घकालिक सामाजिक क्षति भी पहुंचा सकते हैं एवं पारंपरिक मीडिया में पूर्व से ही कम हो रहे विश्वास की गति को और तीव्र कर सकते हैं। इस तरह का क्षरण तथ्यात्मक सापेक्षवाद की संस्कृति में योगदान कर सकता है, तनावपूर्ण नागरिक समाज के ताने-बाने को तेजी से तोड़ सकता है। डीपफेक एक दुर्भावनापूर्ण राष्ट्र-राज्य द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर करने एवं लक्षित देश में अनिश्चितता तथा अराजकता उत्पन्न करने हेतु एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है।

डीपफेक संस्थानों एवं कूटनीति में विश्वास को कम कर सकते हैं। डीपफेक का उपयोग गैर-राज्य कारकों द्वारा, जैसे कि विद्रोही समूह एवं आतंकवादी संगठन, अपने विरोधियों को भड़काऊ भाषण देने अथवा लोगों के बीच राज्य विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए उत्तेजक कार्यों में शामिल होने के रूप में दिखाने के लिए किया जा सकता है। डीपफेक से एक अवांछनीय सत्य को नकली समाचार के रूप में खारिज करवा दिया जाता है।

डीपफेक के शिकार होने से बचने के लिय सतर्कता से रहें, हमेशा ऐसे कैमरे से तस्वीर लें जो उसको एन्क्रिप्टेड कर दें ताकि फोटो को बदला न जा सके। स्मार्ट कैमरे और स्मार्ट मोबाइल में इसके लिए विकल्प मौजूद हैं। सेंडर और रिसीवर दोनों एन्क्रिप्शन की (चाबी) का उपयोग करते हैं। सोशल मीडिया में अपनी फोटोज़ या वीडियो ज़्यादा शेयर न करें। अकाउंट प्राइवेट रखें। एक-साथ पंद्रह-बीस फोटो शेयर न करें क्योंकि इससे सायबर अटैक की आशंका बढ़ती है। कम से कम वीडियो और तस्वीर संबंधित पोस्ट शेयर करने की कोशिश करें। अपनी तस्वीरों की सीरीज़ न डालें यानी एक ही तरह की काफ़ी सारी तस्वीरें शेयर न करें क्योंकि साइबर अपराधी बहुत सारी अलग-अलग फोटो को इकट्ठा करके एआई द्वारा उनसे डाटा निकालकर दुरुपयोग कर सकते हैं।

वीडियो असली है या नकली, ऐसे समझें, ज्यादातर मामलों में डीपफेक वीडियो बनाए ही इसलिए जाते हैं ताकि लोगों को चौंकाया जाए। अगर आपको भी कोई ऐसा चौकाने वाला वीडियो मिलता है तो उसके ओरिजनल सोर्स को जांचें। मान लीजिए हैरी पॉटर का एक वीडियो वायरल हो रहा है तो फिल्म से जुड़े किरदारों के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर जाएं। कई बार सेलिब्रिटी खुद ऐसे फर्जी वीडियो की जानकारी देते हैं। न्यूज के जरिए खंडन किया जाता है। फैक्टचेकर्स भी इनके बारे में जानकारी देते हैं। वर्तमान में डीपफेक से निपटने के लिए कानूनों की कमी है क्योंकि अधिकांश लोग नई तकनीक, इसके उपयोग और खतरों से अनजान हैं। इस वजह से, पीड़ितों को कानून के तहत ज्यादातर मामलों में अपेक्षित सुरक्षा नहीं मिल पाती है।

विशेष

कार्तिक पूर्णिमा : देव दीपावली का पवित्र त्योहार

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

भारतवर्ष की सभ्यता एवं संस्कृति विश्व के प्राचीनतम संस्कृतियों में एक है। इसकी संस्कृति विविधता में एकता की प्रतीक है तथा यहां विभिन्न प्रकार के पर्व-त्योहार एवं अनुष्ठान मनाये जाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा तीन प्रमुख समुदायों सनातन धर्म, सिख और जैन के पवित्र त्योहारों में से एक है। यह कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि और दीपावली के 15 दिन बाद पड़ने वाली तिथि को पूरे देश और विदेश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा या त्रिपुरी पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है। इसे तीन दानव बंधुओं तारकक्ष, वीर्यवान और कमलाक्ष (संयुक्त रूप से त्रिपुरासुर के नाम से चर्चित) पर भगवान शिव की विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सभी देवताओं ने उनके विनाश पर हर्षोल्लास प्रकट करते हुए स्वर्गलोक में दीये जलाकर देव दीपावली मनाई थी। मान्यता है कि इस दिन, देवी-देवता पवित्र नदियों व सरोवरों में स्नान करने के लिए स्वर्ग से पृथ्वी पर पधारते हैं। इसलिए, इस दिन दीया जलाकर, नदियों और अन्य जल स्रोतों में पवित्र स्नान (जिसे कार्तिक स्नान कहा जाता है) करके और देवी-देवताओं की वंदना करके, भक्तजन दिव्य आशीर्वाद एवं समृद्धि की कामना करते हैं। इस अवसर पर भक्तजन नदियों में दीपदान (दीपक प्रवाह) करते हैं तथा मंदिरों में रात भर दीपमालाएं या प्रकाश स्तम्भ बनायी जाती हैं। कार्तिक पूर्णिमा पृथ्वी पर जीवित प्राणियों के जीवन रक्षा के लिए भगवान विष्णु के मत्स्यावतार (मछली अवतार) मत्स्य के उद्भव का प्रतीक है। यह भी माना जाता है कि इस दिन भगवान कृष्ण और राधा ने ब्रजभूमि में गोपियों के साथ रासलीला रचायी थी। दक्षिण भारत में इस पवित्र दिवस को युद्ध के देवता और शिव-पार्वती के ज्येष्ट पुत्र कार्तिकेय के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्तिक पूर्णमासी पर सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु नानक देव जी जयंती को विश्व भर में गुरु परब या प्रकाश पर्व के रूप में श्रद्धापूर्वक एवं धूमधाम से मनाया जाता है। देश के कोने-कोने में गुरुद्वारों में कीर्तन, गुरुवाणी और अखंड पाठ के साथ शोभा-यात्रा एवं अन्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हालाँकि दुर्भाग्यवश स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात उनका जन्मस्थान राय-भोइ-दी-तलवंडी पाकिस्तान में चला गया है।

जैन मताब्लम्बियों की मान्यता है कि प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ कार्तिक पूर्णिमा के दिन पालीताना में शत्रुंजय पहाड़ियों पर पधारे थे और अपना पहला उपदेश देकर इसे पवित्र किया था।

विशेष

समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं गुरु नानक के उपदेश

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

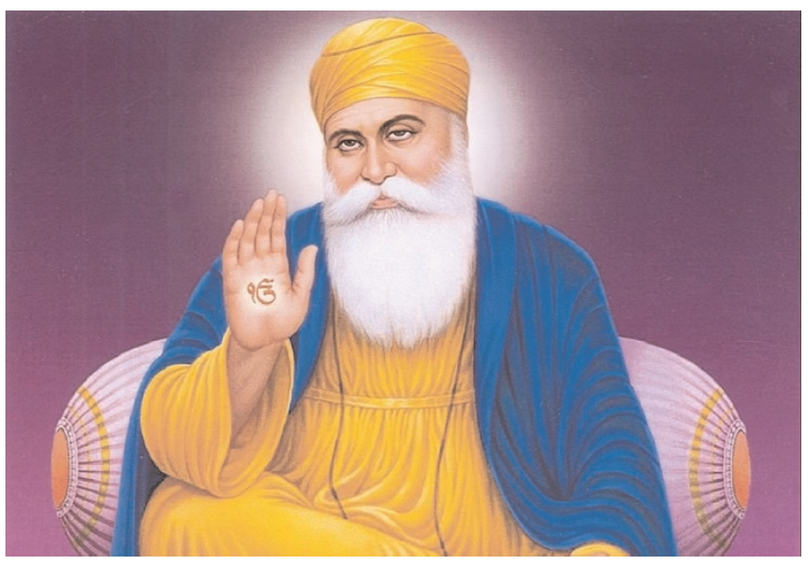

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष 27 नवम्बर को यह पर्व पूरे जोश और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सिखों के 'प्रथम गुरू' गुरु नानक जी की जयंती को 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है। इस बार गुरु नानक जी का 554वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। पाखण्डों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक देव की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना और बाह्य आडम्बरों से दूर रखना था। गुरु नानक जयंती के अवसर पर उनके जीवन, आदर्शों तथा उनकी दी हुई शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। इस दिन धर्म गुरू और समाज के सम्माननीय लोग गुरु नानक की शिक्षाओं और संदेशों को दोहराते हैं ताकि लोगों के बीच उनके पवित्र विचारों को फिर से ताजा किया जा सके। सितम्बर 2019 में 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नेपाल द्वारा सौ, एक हजार तथा ढ़ाई हजार रुपये के तीन स्मारक सिक्कों का सेट जारी किया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा भी गुरु जी के 550वें प्रकाश पर्व पर 50 रुपये का एक सिक्का जारी किया गया था। कोलकाता टकसाल द्वारा 550वें प्रकाशोत्सव पर 12 नवम्बर 2019 को 44 मिलीमीटर गोलाई वाला 35 ग्राम वजनी 550 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया गया था, जिसमें 50 फीसदी चांदी, 40 फीसदी तांबा और पांच-पांच फीसदी निकल व जिंक का मिश्रण है। सिक्के के एक ओर गुरुद्वारा श्री बेर साहिब का चित्र उकेरा गया और उसी ओर सिक्के पर देवनागरी व अंग्रेजी में श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व' लिखा गया।

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ था किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। एक पिता एकस के हम बारिक' नामक उनका सिद्धांत समाज में ऊंच-नीच और अमीर-गरीब के भेद को मिटाता है।

554वें प्रकाश पर्व के विशेष अवसर पर गुरु नानक से जुड़ी कुछ ऐसी घटनाओं और किस्सों का उल्लेख करना अनिवार्य हो जाता है, जो उनकी महानता और चमत्कारिक शक्तियों को स्पष्ट परिलक्षित करती हैं। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?

लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है? गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कार्तिक पूर्णिमा उत्सव की पूर्व संध्या पर रविवार को प्रयागराज में श्रद्धालु संगम में पवित्र डुबकी लगाते हुए।

भारत-यूएई व्यापार संबंधों ने नई ऊचाइंयों को छुआ : भारतीय राजदूत सुधीर

दुबइ/भाषा

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने रविवार को कहा कि सदियों पुराने भारत-यूएई व्यापार संबंधों ने नई ऊचाइंयों को छुआ है और अविश्वसनीय रूप से विस्तारित अवसरों में विविधता आई है। उन्होंने कहा कि ऐसे समाधान तैयार किए गये हैं जो समावेशी होने के साथ वैश्विक हितों के अनुरूप हैं।

सुधीर की टिप्पणी 27 नवंबर को दुबई में होने वाले 'इंडिया ग्लोबल फोरम' के वार्षिक कार्यक्रम से पहले आई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगी। यह इस कार्यक्रम का तीसरा संस्करण है और इसका विषय है 'अनलीसिंग एंबिशंस'।

सुधीर ने कहा, मौजूदा विश्व में, भारत-यूएई रणनीतिक साझेदारी बहुत बड़ी है। सदियों पुराने व्यापार संबंध नई ऊंचाइयों पर हैं और अविश्वसनीय रूप से विस्तारित अवसरों में विविधता आई है।''

भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो साल-दर-साल 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए अप्रैल 2022-मार्च 2023 की अवधि में 85 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। वर्ष 2030 तक दोनों देशों के गैर-तेल व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

बैठक

नई दिल्ली में रविवार को राष्ट्रीय नागरिक पार्टी के अध्यक्ष कृष्ण कुमारजंतर मंतर पर संविधान दिवस के अवसर पर एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेत हुए।

'जांच पूरी होने से पहले ही भारत को 'दोषी' करार दे दिया गया'

ओटावा/भाषा

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत ''कतई'' शामिल नहीं था और ओटावा ने जांच पूरी होने से पहले ही नई दिल्ली को ''दोषी'' करार दिया है। वर्मा ने यह टिप्पणी कनाडा के सबसे बड़े निजी टेलीविजन नेटवर्क 'सीटीवी न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान की। ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को निज्जर की हत्या में भारत के एजेंटों की ''संभावित संलिप्तता'' संबंधी कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हो गया था । भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को ''बेतुका' और किसी मकसद से 'प्रेरित'' बताकर खारिज किया है। रविवार को प्रसारित साक्षात्कार के दौरान, वर्मा से पूछा गया कि भारत जांच में कनाडा के साथ सहयोग क्यों नहीं कर रहा है, इस पर उन्होंने कहा, ''...जांच पूरी हुए बिना ही भारत को दोषी ठहराया गया। क्या यही कानून का शासन है?'' यह पूछे जाने पर कि भारत को कैसे दोषी ठहराया गया, वर्मा ने जवाब दिया, ''क्योंकि भारत को सहयोग करने के लिए कहा गया था।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत में आतंकी हमले होते थे, आतंकवादियों की घुसपैठ होती थी : आदित्यनाथ

हैदराबाद/भाषा

कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में भारत में आतंकी हमले और आतंकवादियों की घुसपैठ होने का दावा करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब विश्व मंच पर देश का कद बढ़ गया है।

तेलंगाना के महबूबनगर जिले में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के तहत सुरक्षित हो गई हैं।

आदित्यनाथ ने केंद्र में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के सत्ता में रहने के दौरान आज ही के दिन (26 नवंबर 2008 को) मुंबई में आतंकी हमला होने को याद किया, जो देश में हुआ सबसे वीभत्स आतंकी हमला था। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के शासनकाल में आतंकी हमले हुए और आतंकवादियों की घुसपैठ हुई, लेकिन आज आतंकी हमले और आतंकवादियों की घुसपैठ नहीं हो सकती है क्योंकि हर किसी को, और यहां तक कि आतंकवादियों एवं उनके आकाओं को भी पता है कि यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाला 'नया भारत' है। भारत किसी को छेड़ता नहीं है और यदि कोई छेड़ेगा तो यह उसे छोड़ेगा भी नहीं।'' उन्होंने कहा कि चाहे 'एयर स्ट्राइक' हो या 'सर्जिकल स्ट्राइक', भारत जवाब देना जानता है और इस तरह ''हमारी सीमाएं सुरक्षित की गयी हैं।'' उन्होंने कहा कि अब यह 'नया भारत' है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ गया है तथा सीमाएं सुरक्षित हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा देश में आतंकी और नक्सली समस्या का हल है तथा बड़े अवसंरचना कार्य शुरू किये गये हैं तथा बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। आदित्यनाथ ने तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की अगुवाई वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर कथित भ्रष्टाचार और 'वंशवादी' राजनीति को लेकर प्रहार किया तथा उसपर तुष्टिकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना 'माफिया राज' की गिरफ्त में है तथा यहां भू माफिया एवं खनन माफिया है और माफिया संगठित अपराध में भी लिप्त है। उन्होंने कहा कि वह माफिया को चेतावनी देने के लिए यहां आये हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भी माफिया थे, दंगे हुआ करते थे और माफिया की समानांतर सरकार चलती थी लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार है और अब वहां दंगे नहीं हो रहे हैं।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में 'बुलडोजर' को माफिया एवं अपराधियों के खिलाफ प्रभावी इलाज बताया तथा कहा, ''और आपको पता है कि उत्तर प्रदेश में माफिया एवं अपराधियों पर बुलडोजर चलते हैं क्योंकि यही (बुलडोजर) इलाज है।'

विदेशों में शादियों के आयोजन के चलन पर प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त की मन की पीड़ा

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ बड़े परिवारों द्वारा विदेशों में शादियां आयोजित करने के चलन पर पीड़ा व्यक्त की और रविवार को उनसे आग्रह किया कि वे भारत की धरती पर इस तरह के समारोह आयोजित करें ताकि देश का धन इससे बाहर नहीं जाए। आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 107वीं कड़ी में उन्होंने बताया कि कैसे त्योहारों के इस मौसम में चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के कारोबार हुआ और 'वोकल फॉर लोकल' को बल मिला। मोदी ने मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि इस जघन्य हमले से उबरने के बाद भारत आज पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल रहा है। उन्होंने कहा, ''26 नवंबर के दिन को हम कभी भी भूल नहीं सकते हैं। आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने मुंबई को, पूरे देश को थर्राकर रख दिया था। लेकिन यह भारत का सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उबरे और पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं।''

मोदी ने देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सिर्फ त्योहारों तक ही सीमित न रखने की अपील की और उनसे आग्रह किया कि उन्हें शादी के मौसम में भी स्थानीय उत्पादों को महत्व देना चाहिए।

'मन की बात' की पिछली कड़ी में लोगों से स्थानीय उत्पादों की खरीदारी पर बल देने के अपने आग्रह का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''बीते कुछ दिनों के भीतर ही दिवाली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया।'' उन्होंने कहा कि अब तो घर के बच्चे भी दुकान पर कुछ खरीदते समय देखने लगे हैं कि उस पर 'मेड इन इंडिया' लिखा है कि नहीं।

मोदी ने कहा, ''इतना ही नहीं ऑनलाइन सामान खरीदते समय भी अब लोग यह देखना नहीं भूलते हैं कि उत्पाद किस देश में बना है।'' उन्होंने कहा, ''जैसे स्वच्छ भारत अभियान की सफलता ही उसकी प्रेरणा बन रही है वैसे ही 'वोकल फॉर लोकल' की सफलता विकसित भारत और समृद्ध भारत के द्वार खोल रही है।

'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' का अभियान पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। उन्होंने कहा, ''यह रोजगार की गारंटी है। यह विकास की गारंटी है, यह देश के संतुलित विकास की गारंटी है। इससे शहरी और ग्रामीण दोनों को समान अवसर मिलते हैं।

फिल्म 'कड़क सिंह' में हास्य के लिए कोई गुंजाइश नहीं थी : पंकज त्रिपाठी

पणजी/भाषा

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने कहा कि उनकी आने वाली फिल्म कड़क सिंह उन फिल्मों से अलग है जिसमें उन्होंने हाल के दिनों में हास्य अभिनय किया है।

त्रिपाठी ने 'फुकरे' सीरीज, 'ओएमजी 2', 'बरेली की बर्फी', 'मिमी', 'लूडो' और 'स्त्री' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों को खूब गुदगुदाया है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता त्रिपाठी ने कहा कि हालांकि अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित कड़क सिंह में हास्य की कोई गुंजाइश नहीं थी।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह एक बहुत गहरी और नाजुक भूमिका वाली फिल्म है। मुझे यह सुनिश्चित करना था कि मैं इसे ज़्यादा न करूं। इस फिल्म में मेरे अभिनय का मजबूत पहलू 'कॉमेडी' के लिए इसमें कोई जगह नहीं थी। इस फिल्म में मेरी भूमिका में कई पहलू हैं।'' इस फिल्म को 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में 'वर्ल्ड गाला प्रीमियर' वर्ग के तहत प्रदर्शित किया गया। अभिनेता त्रिपाठी ने कहा कि स्क्रीनिंग के दौरान फिल्म देखते समय उनकी आंखों में आंसू आ गए।

बेटी हमारी अनमोल में नजर आएगी रानी चटर्जी

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री रानी चटर्जी सीरियल बेटी हमारी अनमोल में नजर आयेगी। राकेश पासवान निर्मित और सूरज कुमार सह निर्मित बेटी हमारी अनमोल में मुख्य भूमिका में जूही असलम खान,रानी चटर्जी, प्रथम कुंवर, कपिल सोनू निभा रहे हैं।सूरज कुमार ने इस सीरियल को लेकर बताया कि यह सीरियल बेहद शानदार होने वाला है। इसमें समाज की एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसकी शादी में बहुत सारी चुनौतियां आती हैं।

कहानी ऐसी लड़की की है, जिसकी कद के कमी की वजह से समाज की प्रताड़ना झेलना पड़ता है।इस सीरियल की कहानी आत्मविश्वास से भरी एक छोटे कद की लड़की की कहानी है, जो सभी को बेहद प्रेरित करेगी। बेटी हमारी अनमोल सीरियल नजारा टीवी पर रात्रि 9 बजे सोमवार से शुक्रवार प्रसारित हो रहा है।

नृत्य

गुवाहाटी में 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' समारोह के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय डेयरी फार्म के उद्घाटन पर पारंपरिक 'बिहू' नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार।

अपने एक्टिंग कैरियर में कुछ हटकर किरदार निभाना चाहती हूं : नेहा पेंडसे

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस नेहा पेंडसे, जो मे आई कम इन मैडम, देवदास, तुम से अच्छा कौन है सहित अन्य प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, अपने एक्टिंग करियर में कॉमेडी से हटकर कुछ अलग करना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं लोगों को हंसाने में भाग्यशाली रही हूं, मुझे लगता है कि मेरी एक चीज जिसे अभी तक खोजी नहीं जा सकी है, वह है एक अभिनेता के रूप में कॉमेडी के अलावा भावनाएं व्यक्त करने की मेरी क्षमता। मैं गहरी और सूक्ष्म भावनाओं को चित्रित करने के क्षेत्र में उतरने के लिए उत्सुक हूं। एक अभिनेत्री के रूप में मेरे पास बहुत कुछ है और मेरा मानना है कि प्रदर्शन की कई परतें हैं जिन्हें मैं दर्शकों के सामने ला सकती हूं। सिटकॉम मे आई कम इन मैडम में मैडम संजना के रूप में उनकी भूमिका के लिए पसंद किया जाता है, और संदीप आनंद और सपना सिकरवार के साथ उनकी केमिस्ट्री ने दर्शकों को शो से बांधे रखा है। मे आई कम इन मैडम स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

'उत्सव' सिनेमा के छात्रों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंः नवाजुद्दीन

पणजी/भाषा। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी का मानना है कि फिल्म उत्सव सिनेमा के छात्रों को सिखाने और उनकी मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'कहानी', 'तलाश', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'सैक्रेड गेम्स' में काम कर चुके सिद्दीकी(49) यहां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 54वें संस्करण में शामिल हुए। अभिनेता ने कहा, 'इफ्फी जैसे उत्सव हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे सिनेमा के उन सभी छात्रों और कहानीकारों को मदद मिलेगी, जिनकी लेखन और निर्देशन में रुचि है।

फिल्म 'रंग दे बसंती' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और निर्माता रौशन सिंह की आने वाली फिल्म रंग दे बसंती का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म रंग दे बसंती के फर्स्ट लुक में खेसारी लाल यादव पंडित की भूमिका में नजर आ रहे हैं। एसआरके म्यूजिक प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत फिल्म रंग दे बसंती के निर्माता रौशन सिंह और सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की यूएसपी इसकी बेजोड़ कहानी है जो दर्शकों को अपनी और आकर्षित करेगी और उन्हें खूब पसंद आएगी। फिल्म का ट्रेलर और रिलीज डेट भी हम जल्द ही अनाउंस करेंगे। यह फिल्म बेहद खास है और इसे हमने पूरी भव्यता के साथ बनाया है, तो हम उम्मीद करेंगे कि दर्शकों का भी प्यार खूब मिले। इस फिल्म से रति पांडे, डायना खान, अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव इंट्रोड्यूस हो रहे हैं। फिल्म में सभी कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है यह जब फिल्म रिलीज होगी तब दर्शकों को भी महसूस होगा।

वही खेसारी लाल यादव ने फिल्म रंग दे बसंती को लेकर फिल्म के निर्माता रौशन सिंह और निर्देशक प्रेमांशु सिंह की तारीफ की है।

खेसारी लाल यादव ने कहा कि यह फिल्म पूरी तरह से मनोरंजक है। हमने एक अच्छी फिल्म बनाई है दर्शक इसे जाकर सिनेमा घरों में देखें और फिल्म देखने के बाद और लोगों को इसके प्रति जागरूक करें तभी हमारा सिनेमा भी आगे बढ़ेगा। निर्देशक प्रेमांशु सिंह ने कहा कि हमने इस फिल्म को कड़ी मेहनत से बनाई है। हमने इस फिल्म की शूटिंग जम्मू कश्मीर, आजमगढ़, अयोध्या और मुंबई में शूटिंग की है। फिल्म के लोकेशन कहानी के अनुसार हैं, जो फिल्म की खूबसूरती को बढ़ाने वाली है। फिल्म के गीत संगीत भी लाजवाब हैं, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी।

फिल्म रंग दे बसंती में खेसारी लाल यादव के साथ राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नवल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिंकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं।

फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा है। गीतकार प्यारेलाल यादव, अरविंद तिवारी, राकेश निराला, कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 27-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शरीर व आत्मा दोनों का अस्तित्व अलग-अलग है। हम शरीर को बहुत महत्व देते हैं लेकिन आत्मा के बारे में बिल्कुल नहीं सोचते है। आत्मा का अनुभव मनुष्य जन्म में ही किया जा सकता है और मनुष्य जन्म में भी आत्मा का अनुभव कम लोग ही कर पाते है। उन्होंने कहा आत्मा का अनुभव करने के लिए 12 भावना से भावित होना चाहिए और सूत्रों के अर्थ को जानकर क्रिया करनी चाहिए, ऐसा करने से हमें आत्मा की अनुभूति होगी। हमारे अंदर यदि पाप का डर है तो कर्मबंध कम होते जाएंगे। शरीर के जो पाप हो रहे हैं उन्हें गम से, चाल से और भाव से कम करना है, तब ही आप आत्मा का अनुभव कर सकते हो।

हमारा लक्ष्य परभव को सुधारने का होना चाहिए : मुनि धन्यप्रभविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी के शिष्य मुनि धन्यप्रभ विजयजी ने प्रवचन में कहा कि अज्ञानता को सबसे बड़ा पाप कहा गया है। भगवान ने ज्ञान देकर हम पर बहुत बड़ा उपकार किया है। इस ज्ञान के द्वारा हमें सद्गति पाने का मार्ग मिला है। हमारे सम्यक को निर्मल करने का मार्ग मिला है। उन्होंने कहा पर्व के दिनों में की हुई आराधना ज्यादा फलदायी होती है। हमें जो भी संपत्ति, सामग्री मिली है, उसका सदुपयोग करना चाहिए। आज स्थिति ऐसी है कि हम अपने पुण्य को पाप में ट्रांसफर करने का काम कर रहे हैं। हमें जो भी शक्ति मिली है उसे परलोक को सुधारने में उपयोग करनी है। उन्होंने कहा मनुष्य भव बहुत मुश्किल से मिलता है। अनंत आत्माएं मनुष्य भव पाने के लिए खड़ी है। हमें इस भव में साधना, आराधना कर आत्मा का कल्याण करना चाहिए। हमें केवल खाने-पीने और शौक पूरा करने के लिए समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए। हमारा लक्ष्य परभव को सुधारने का होना चाहिए। जब भी समय मिले, साधना में जुड़ जाएं। यदि ऐसा नहीं करेंगे तो मनुष्य भव व्यर्थ में चला जाएगा। हमें बाह्य तप ऐसा करना चाहिए, जिससे हम आभ्यंतर तप में भी जुड़ें, प्रभु के साथ जुड़ें। आनंदघनजी कहते हैं जैसे-जैसे हम भगवान की माला गिनते हैं, भगवान

सहयोगियों का सम्मान करते हुए पदाधिकारी

के गुण हमारे अंदर प्रवेश करते हैं। हमारे अंदर के शत्रु पर विजय प्राप्त होती है। ज्ञान प्राप्ति करना है तो गुरु पर तीव्र बहुमान होना चाहिए। गुरु का बहुमान ऐसा लाना कि अपना भी शीघ्र केवलज्ञान हो। गुरु के बहुमान के बिना हमारा मोक्ष अटक सकता है। गुरु के प्रति अपना एक्सट्रीम राग होने पर केवलज्ञान जल्दी मिलता है। हमें हमारे जीवन में भी एक गुरु बनाना चाहिए, जो हमारा आत्मकल्याण कर सके, हमारा हित रख सके। गुरु के सामने विनय, विवेक रखना चाहिए। बुरी आदतों को चेंज करना कठिन है लेकिन असंभव नहीं है। उन्होंने कहा उपसर्ग सहन करने से कर्मों की निर्जरा होती है। हमें जीवन को अच्छा बनाना है तो अच्छे आलंबन रखने चाहिए। नदी का पानी बहता रहता है तो बदबू नहीं आती है और गटर का पानी बहता नहीं है तो उसमें बदबू आती है, वैसे ही शक्ति का सदुपयोग नहीं करेंगे तो उसका कोई फायदा नहीं होगा। हमारे भवों को उज्ज्वल बनाना है तो शक्ति का सदुपयोग करना होगा। उसका जितना सदुपयोग करेंगे, वह उतना ही फल देने वाला बनेगा। उन्होंने कहा आत्मा की शक्ति अनंत है, लेकिन जो शक्ति मिली है, उसका उपयोग तप- त्याग में करेंगे, पांच इंद्रियों व मन पर नियंत्रण में करेंगे तो ही जल्दी मोक्ष हो पाएगा। त्याग व तप से कर्म की निर्जरा होती है। ज्ञान व क्रिया दोनों साथ में होने से ही आत्मा को मोक्ष मिलेगा। तप भी ऐसा करें कि प्रतिक्रमण, सामायिक, प्रभु पूजा आदि कर पाएं। हमें तप यथाशक्ति समाधिपूर्वक करनी है। जीवन में समस्याओं का निवारण करने के लिए जितना सहन करेंगे, उतनी जल्दी समस्याओं का निवारण जल्दी होगा।

आत्मनिरीक्षण इस संसार का सबसे कठिन काम है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने बिन्नी नोर्थटाउन के सुमतिवल्लभ जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य को किसी तरफ चैन या संतोष नहीं मिल रहा। बेचारा विक्षिप्त-सा होकर इधर-उधर भटक रहा है। उसका नैतिक स्तर गिरता जा रहा है। भ्रष्टाचार के कारण आज सभी दुःखी हैं, फिर भी नैतिक साहस किसी में नहीं आता। सभी स्वार्थ साधनों में लिप्त हैं। स्वयं कुछ न देकर, दूसरों से ऐंठ लेने की नीति के कारण न तो कहीं सहयोग रह गया है और न सहानुभूति। मुसीबतों में सच्चे हृदय से सहानुभूति दिखाने वाले भी नहीं रहे। मानवता का इतना अधःपतन शायद ही किसी युग में हुआ हो। उसी अनुपात में लोगों का कष्ट और पीड़ाओं से परेशान होना भी स्वाभाविक ही है। अपने सुखों को बरबाद कर डालने की जिम्मेदारी मनुष्य पर ही है। उचित प्रयत्नों की बात भुलाकर मनुष्य असुरता की ओर बढ़ रहा है। इसी से वह दुःखी है। छुटकारे का उपाय एक ही है कि वह इन पतनोन्मुख दुष्प्रवृत्तियों का परित्याग करे और सदाचारी जीवन जीने में सुख और संतोष अनुभव

करें, हमें बाह्य व्यक्ति, पदार्थ और कारण बुरे दिखाई पड़ते हैं, पर यह नहीं सूझता कि अपना दृष्टिकोण ही तो कहीं दूषित नहीं है। आत्मनिरीक्षण इस संसार का सबसे कठिन काम है। अपने दोषों को ढूंढ़ सकना समुद्र के तल में से मोती ढूंढ़ लाने वाले गोताखोरों के कार्य से भी अधिक दुष्कर है। अपने दोषों को स्वीकार कर सकना किसी साहसी से ही बन पड़ता है और सुधारने के प्रयत्न तो कोई बिरला ही शूरवीर करता है। यही कारण है कि हममें से अधिकांश व्यक्ति दोषदर्शी, छिद्रान्वेषी दृष्टिकोण अपनाएं रहते हैं और हर किसी को दोषी, निंदनीय, घृणित एवं दुर्भावनायुक्त समझते रहते हैं। परिणाम स्वरूप सर्वत्र हमें दुष्टता और शत्रुता ही दीखती है। निराशा और व्यथा ही घेरे रहती है।

उन्होंने आगे कहा कि हमें लक्ष्य-भ्रष्ट करने में विकृत महत्त्वाकांक्षाओं का बड़ा हाथ है। ये हमें जीवन के सहज और स्वाभाविक मार्ग से भटकाकर गलत मार्ग पर ले जाती हैं। इनके कारण हमें जो कारण चाहिए, उसकी तो हम उपेक्षा कर देते हैं और जो हमें नहीं करना चाहिए, वह करने लगते हैं। अपनी महत्त्वाकांक्षाओं के बारे में हमें विवेकपूर्ण बुद्धि से सोचना चाहिए कि वे कितनी यथार्थ और कितनी उपयोगी हैं। कहीं हम भुलावे में तो नहीं हैं। वे हमें जीवन के सही रास्ते पर ले जा रही हैं या हमें पथभ्रष्ट कर रही हैं। हमारी आकांक्षाओं के पीछे कोई प्रलोभन तो नहीं, कोई स्वार्थ बुद्धि तो काम नहीं कर रही? महत्त्वाकांक्षाएं यदि निकृष्ट स्तर की हों, तो उन्हें त्याग देना चाहिए। श्रेयस्कर तो केवल श्रेष्ठता की ओर ले जाने वाली महत्त्वाकांक्षाएं ही हो सकती हैं।

जनसहयोग संगठन ने मनाया कन्नड़ राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जन सहयोग संगठन द्वारा हुड्डी स्थित हाई स्कूल ग्राउंड में कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। आयोजकों ने माता भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद प्रसाद वितरण यानी अन्नदान किया गया, साथ में बीबीएमपी के 60 पौरकर्मियों को वस्त्र वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एचएस कबदी, पिल्लप्पा पवन रेड्डी, जन सहयोग संगठन के अध्यक्ष बीरबहादुर सिंह, सीताराम यादव, मनोज शर्मा, जितेंद्र कुमार आदि सदस्य गण और युवा मोर्चा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार शर्मा, सचिव रंजन कुमार, मनीष कुमार, आशीष कुमार, सचिन कुमार व युवा मोर्चा के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

संतों की विदाई समारोह में भावुक हुए श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां खरतरगच्छ भवन में आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्ती स्थवीर मुनिश्री मुक्तिप्रभ सागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिप्रभ सागरजी म. सा. का विधाई समारोह आयोजित किया गया। रविवार को आयोजित इस समारोह में संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने सभी का स्वागत किया। संचालन सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश खरतरगच्छ युवक परिषद अध्यक्ष दीपक नाहटा ने किया।

मुनिश्री मनीष प्रभ सागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास के चार महीने में हमारा पूरा प्रयास था कि अच्छी धर्म आराधना हो। समाज के सभी लोगों ने बढ़चढ़कर इसमें भाग लिया। इस दौरान संतों द्वारा कोई गलती हो तो मिच्छामी दुक्कड़म करते हैं। महिला परिषद की सदस्यों ने विदाई गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में युवक परिषद, महिला परिषद, रसोई समिति, प्रचार प्रसार के लिए किशोर जैन, वैयावच्च के लिए दिनेश जैन आदि का सम्मान किया गया। सोमवार संतवृंद कार्तिक पट के दर्शन हेतु वर्धमान ग्रांड अपार्टमेंट पधारेंगे। कार्तिक पूर्णिमा का पट का दर्शन का लाभ कोठारी फाइनेंस परिवार ने लिया।

ब्रह्मचर्य तप के प्रत्याखान लेने वालों का संघ की ओर से सम्मान करते हुए अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा।

स्वार्थ छोड़कर धर्म की और अग्रसर होना चाहिए : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम में विराजित साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी म. सा. ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि आज समाज कहां जा रहा है। सभी में प्रेम का अभाव हो चुका है। व्यक्ति स्वार्थी बन चुके हैं। आज से एक संकल्प करे कि प्रभु की वाणी को घर-घर तक पहुंचाएंगे। परमात्मा जो देते हैं वो दिखाई नहीं देता है और जो नहीं देते हैं वो दिखाई देता है 'रूखेसू वाह' शालमली वृक्ष सुवर्णकुमार को बहुत पसंद है। देवता यहाँ आकर क्रीडा करते हैं । वैसे ही इस जीव को परमात्मा की शरणप्रिय होनी चाहिए और होती भी है पर पता नहीं चलता। जो शाल्मली वृक्ष फल फूल नहीं देता बल्कि आनंद देता है। हमें बबूल की छांव नहीं बल्कि कल्पवृक्ष की छांव मिली है वो भी स्वयं प्रभु परमात्मा की। वन मे नंदनवन श्रेष्ठ है। यह वन मेरु पर्वत पर है। परमात्मा का जीवन नंदनवन है। नंदनवन वो है जिसमे एक भी काँटा नहीं है तो दर्द भी नहीं होगा सिर्फ चारों तरफ सुगंधित पुष्प है वैसे ही परमात्मा की शरण में जाने से दर्द नहीं होगा।

आज कृतज्ञता दिवस मनाया गया कृतज्ञता व्यक्त करते हुए महेंद्र पुंगलिया, आशा पुंगलिया, सरोज कोठारी, दिलीप बोहरा, आनंद चुत्तर, निलेश बंब, निर्मल छल्लाणी, गौतमकुमार कटारिया, इन्दर बोहरा ने अपने विचार के व्यक्त किए अशोक रांका एवं वसंता बाई पुंगलिया ने गीत के माध्यम से महासतीजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मंत्री महिपाल चौरडिया ने संचालन करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। अध्यक्ष विनयचंद पावेचा ने सभी समितियां, नवयुवक मंडल, महिला मंडल, मरुधर केसरी महिला मंडल, ए एम के एम यूथ एसोसिएशन तथा सभी पदाधिकारी एवं महासतिजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भावुक हो गए। धर्म सभा में अनेक तपस्याओं के प्रत्याखयान हुए तथा सभी तप में श्रेष्ठ तप ब्रह्मचर्य तप के भी प्रत्याखयान हुए। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

भिक्षु भक्ति धम्म जागरण का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कार्तिक सुदी तेरस शनिवार को भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन महाश्रमण सुर संगम द्वारा त्यागराजनगर स्थित चैनरूप विजया दुगड़ के निवास स्थान पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। महाश्रमण सुर संगम से प्रभारी सन्नी रांका, परामर्शक विक्रम पुगलिया, राहुल मेहता सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया, संगठन मंत्री दिक्षित सोलंकी और परिवार की ओर से विजया देवी दूगड़, कनक देवी बरडिया अपनी प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को भिक्षुमय बना दिया।

तेयुप एचबीएसटी मंत्री राजीव हिरावत ने परिषद के इस उपक्रम हर घर भिक्षु स्वर के बारे में जानकारी दी और ज्ञात कराया कि इस का लाभ परिषद परिवार के हर घर तक पहुँचाना है इसके लिए तेयुप प्रतिबद्ध है। परिवार से चैनरूप दुगड़ ने प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए तेयुप हनुमंतनगर व परिषद संचालित महाश्रमण सुर संगम टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ट्रिप्लीकेन तेरापंथ भवन में मंगलभावना समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्यासाध्वीश्री शिवमालाजी के चातुर्मासिक परिसम्पन्नता पर विदाई एवं मंगल भावना समारोह ट्रिप्लीकेन तेरापंथ भवन में हुआ। इस मौके पर तेरापंथ धर्मसंघ की विविध स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण, केन्द्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। ट्रिप्लीकेन संभागीय श्रावक श्राविकाएँ, हरियाणा से दर्शन-सेवार्थ पधारे हुए साध्वीश्री रत्नप्रभाजी के संसारपक्षीय भाई व उनका परिवार एवं अनेक उपनगरीय श्रद्धालु श्रावक श्राविकाएँ उपरोक्त आयोजन मे सम्मिलित हुये।

ट्रिप्लीकेन ज्ञानशाला के ज्ञानार्थीयों द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। ट्रिप्लीकेन तेरापंथ ट्रस्ट के प्रबन्धक न्यासी सुरेशकुमार संचेती ने स्वागतीय भाषण के साथ साध्वीवृंद के निरामय स्वास्थ्य एवं आगामी निर्विघ्न विहार के प्रति मंगलकामना अभिव्यक्त की। ट्रस्ट के मंत्री विजयकुमार गेलड़ा ने आचार्यश्री की असीम अनुकम्पा सहेतुक आभार-ज्ञापन किया। चातुर्मास्य आयोजनों मे साध्वीवृंद के इंगित की अवहेलना एवं अविनय आशातना के लिये ट्रस्ट की ओर से खमत खामणा एवं संपूर्ण श्रावक समाज से व्यवस्था उपलब्धता में हुई त्रुटियों के लिए क्षमायाचना की। चातुर्मास उपरान्त निर्विघ्न विहार यात्रा, निरामय स्वास्थ्य एवं निर्बाध संयम साधना की अनंतमय मंगलभावना अभिव्यक्त की।

ट्रिप्लीकेन तेरापंथ महिला वर्ग ने सुमधुर विदाई गीत का संगान किया। ज्ञानशाला बालक-बालिकाओं ने रोचक एवं हृदयस्पर्षी परिसंवाद प्रस्तुत किया।

साध्वीश्री रत्नप्रभाजी एवं साध्वीश्री अर्हमप्रभाजी ने सुमधुर गीतिका एवं प्रेरक वक्तव्य के द्वारा संपूर्ण श्रावक समाज को तेरापंथ भवन मे धार्मिक गतिविधियाँ अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा दी तथा चातुर्मासिक सफलता मे श्रावक समाज द्वारा मिले अप्रमत्त सहयोग व दायित्व निर्वहन की प्रशंसा की। तपस्विनी साध्वीश्री अमितरेखाजी ने अपने उद्बोधन में युवाओं की निष्काम सेवा-समर्पण भावना व महिलाओं की जागृत सहभागिता के लिए साधुवाद दिया।आपने तेरापंथ भवन को साताकारी होने का विशेष जिक्र किया।

ट्रिप्लीकेन ट्रस्ट के मंत्री विजयकुमार गेलड़ा से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तेरापंथी सभा सहमंत्री देवीलाल हिरण, उपाध्यक्ष गजेन्द्र खंटेड, तेरापंथ युवक परिषद् उपाध्यक्ष संदीप मुथा, अणुव्रत समिति अध्यक्ष ललित आंचलिया, उपासक श्रेणी से धनराज मालु, तुलसी संगीत मंडल से मदनलाल मर्लेचा ने वक्तव्य एवं स्वर लहरियों सें अपनी मंगल भावनाएँ अभिव्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन भूतपूर्व अध्यक्ष गौतमचन्द सेठिया ने किया।

नववर्ष की महामांगलिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रविवार को श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ मैलापुर के प्रतिनिधिमण्डल तांबरम विराजित श्री सुशीलाकवरजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शनार्थ गए। उनके समक्ष नए साल 1 जनवरी 2024 का महामांगलिक की विनती संघ के सदस्यों ने की। साध्वीश्री ने इसकी स्वीकृति दी। संघ के अध्यक्ष शांति चोरड़िया, मंत्री विमलचन्द खाबिया सहित अनेक पदाधिकारी इस मौके पर उपस्थित थे।

अनाथालय में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के विजय संभव फाउंडेशन (वीएसएफ), और नीड बेस इंडिया ब्रिगेड फाउंडेशन ने एक साथ मिलकर केएस राजकीय प्राथमिक विद्यालय व्हाइटफील्ड इमादहल्ली में नेत्र परीक्षण शिविर का (आई कैंप) आयोजन किया। इस कैंप की पहल ब्रिगेड कैम्प गर्ल्स होम पर स्थित नीड बेस इंडिया के अनाथालय में हुआ।

इस अनाथालय में 58 बालिकाएं निवास करती हैं। आंखों कैंप का मुख्य उद्देश्य सभी बच्चों का स्क्रीनिंग करना था उनमें जिन्हें पावर है उन जरूरतमंदों को चश्मा देना है। 12 छात्राओं को चश्मा बना कर दिया जाएगा।

वीएसएफ के चेयरमैन डॉ. रवि राजहंस ने इस कार्यक्रम की अगुआई की, इसके साथ ही आलोका विजन कार्यक्रम का इसमें महत्पूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजीत सिंह, सुजीत कुमार, चिन्ना विजय शंकर गुप्ता, भुवेश गुप्ता,राजीव कुमार रंजन, जैसे समर्पित स्वयंसेवको ने सक्रिय भूमिका निभाया।

नीड बेस इंडिया, जो अपने बाल सेवा और विकास के प्रतिबद्ध है। यह संस्थान गरीब बच्चों के लिए आहार, शिक्षा, और आश्रय प्रदान करता है।

विजय संभव फाउंडेशन और नीड बेस इंडिया के बीच सहयोग एक सकारात्मक परिणाम के लिए सामूहिक प्रयास है। इसके साथ ही सभी बच्चों ने कैंप के सभी लोगों को हस्तनिर्मित धन्यवाद कार्डबोर्ड भी दिया।

साध्वी सुलोचनाश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन समारोह सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां बसवनगुड़ी के श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर्याश्री सुलोचनाश्रीजी म.सा. के प्रति चातुर्मास पूर्णाहुति की वेला में कृतज्ञता ज्ञापन समारोह आयोजित किया गया। गुरुवर्याश्री ने अपने उद्बोधन में पिछले पांच माह से अनवरत जारी उपासक दशांग सूत्र एवं मानवती चारित्र का समापन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष निर्भय लाल गुलेच्छा और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सकल संघ की ओर से गुरुवर्याश्री को पिछले पांच माह में धर्माराधना करवाने हेतु कृतज्ञता और आभार व्यक्त किया तथा चातुर्मासिक चतुर्दशी के पर्व पर सकल संघ की ओर से मिच्छामि दुक्कडम दिया। वरिष्ठ सदस्य चुन्नीलाल गुलेच्छा और संघवी तेजराज गुलेच्छा ने चातुर्मास के दौरान हुई ज्ञान की आराधना और गुरुवर्याश्रीजी द्वारा करवाए गए सफलतम कार्यक्रमों के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए चातुर्मास के दौरान हुए कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए कहा कि हमें इन पांच महीनों की तरह ही आगे भी लगातार धर्माराधना में रत रहना है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.